10 अक्टूबर 2025

गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

डुमरांव के रिहायशी इलाके में पटाखा के अवैध कारोबार का प्रशासन ने किया भंडाफोड़, गोदाम को किया सील

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

50 बड़े शहरों में फुटपाथ और क्रॉसिंग का ऑडिट अनिवार्य

- बढ़ती हुई आबादी को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उठाया बड़ा कदम

एजेंसी/नई दिल्ली

देश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और उसमें हो रही जानलेवा घटनाओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। अदालत ने पैदल यात्रियों की सुरक्षा, हेलमेट नियमों के पालन और खतरनाक ड्राइविंग की रोकथाम के लिए राज्यों और नगर निकायों को कड़े निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने जनहित याचिका पर विचार करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसमें सरकार की ओर से सड़क सुरक्षा के प्रति उदासीनता पर आपत्ति जताई गई थी। सड़क परिवहन मंत्रालय के

ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बीते साल भारत में सड़क दुर्घटनाओं में कुल 1,72,890 लोगों की जान गई, जिनमें से 35,221 पैदल यात्रियों के रूप में थे। यह आंकड़ा कुल मौतों का 20.4 फीसदी है, जो 2016 के 10.44 फीसदी की तुलना में दोगुना से भी अधिक है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि फुटपाथों पर हो रहे अतिक्रमण और उनका गलत उपयोग पैदल यात्रियों को सड़कों पर आने के लिए मजबूर कर रहा है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत के 50 बड़े शहरों में फुटपाथ, पैदल यात्री क्रॉसिंग, जेबरा लाइन, फुटओवर ब्रिज और सड़क की रोशनी का व्यापक ऑडिट कराने का निर्देश दिया है। इसमें विशेष तौर पर उन इलाकों को प्राथमिकता दी जाएगी जहां हाल के वर्षों में पैदल यात्रियों की चोटें या मौतें हुई हों। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, स्कूल और बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले स्थान इस ऑडिट का हिस्सा होंगे ताकि पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

हेलमेट नियमों के उल्लंघन पर सख्ती

कोर्ट ने दोपहिया वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं में हो रही मौतों की बढ़ोतरी पर चिंता जताई और हेलमेट पहनने के नियमों को लागू कराने के लिए तकनीकी साधनों का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया। इस संदर्भ में म-म्दवितबमउमदज तंत्र जैसे कैमरों की तैनाती का सुझाव दिया गया है। साथ ही, गलत लेन ड्राइविंग, तेज ओवरटेकिंग जैसी खतरनाक ड्राइविंग प्रथाओं को रोकने के लिए स्वचालित कैमरे, सड़क पर रंबल स्ट्रिप्स और टायर किलर जैसे उपाय लागू करने के भी आदेश दिए गए हैं।

अवैध हेडलाइट और हूटर पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने निजी वाहनों में चमकदार एलईडी लाइट और अवैध हूटर के इस्तेमाल को नियंत्रित करने के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय और यातायात पुलिस को हेडलाइट की चमक और बीम कोण के मानक तय करने का आदेश दिया गया है, साथ ही जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया है ताकि सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। अदालत ने सभी राज्यों को आदेश दिया है कि वे पैदल यात्रियों की सुविधाओं जैसे फुटपाथ और क्रॉसिंग से जुड़ी शिकायतों के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल तैयार करें। इसमें शिकायतों के त्वरित निवारण और नियमित समीक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का किया उद्घाटन

एजेंसी/मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन किया। इसके अलावा वे महानगर वासियों को भूमिगत मेट्रो-3 एक्वा लाइन की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री 8 व 9 अक्तूबर को महाराष्ट्र में रहेंगे और इस दौरान कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मुंबई में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे और एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। पीएम मोदी मुंबई में ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर से भी मिलेंगे। इस दौरान दोनों देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने के लिए बैठक करेंगे। इसके मद्देनजर देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पीएम मोदी का दो दिवसीय दौरा काफी अहम माना जा रहा है। पीएमओ ने कहा कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए तैयार है। 19,650 करोड़ रुपये की लागत से तैयार नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईए) भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत विकसित यह हवाईअड्डा मुंबई महानगर क्षेत्र के लिए दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में एनएमआईए छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) के साथ मिलकर काम करेगा। इससे भीड़भाड़ को कम किया जा सकेगा और मुंबई को वैश्विक बहु-हवाई अड्डा प्रणालियों की श्रेणी में शामिल किया जा सके।

समीकरण बनाने के लिए मोदी-शाह कर सकते है हस्तक्षेप

एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर फंसा पेंच, चिराग की बढ़ी डिमांड

एजेंसी/नई दिल्ली

बिहार में एनडीए के बीच सीट शेयरिंग नहीं हो पा रही। बीजेपी और जेडीयू के बीच तो सब ठीक है लेकिन बात जीतन राम मांझी, चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा के बीच नहीं बन पा रही। हालांकि चिराग पासवान 25 सीटों पर दावे वाली बात को झुठला रहे हैं लेकिन कहते हैं बिना आग के धुंआ नहीं उठता। आपको याद होगा कि पिछली बार सीट नहीं मिलने पर एलजेपी एनडीए से अलग हो गई थी। इसके अलावा आपको फिर से बता दें कि चिराग पासवान ने सीट शेयरिंग पर खुलकर कुछ भी नहीं कहा है। हालांकि चिराग ने कहा कि जीना है तो मरना सीखो। सूत्र बताते हैं कि चिराग पासवान बीजेपी की ओर से ऑफर किए गए 25 सीटों पर तैयार हो गए हैं. हालांकि वो लोकसभा चुनाव की तर्ज पर विधानसभा चुनाव में भी अपनी पार्टी का स्ट्राइक रेट शानदार रखना चाहते हैं. इसके लिए वह उन सीटों की डिमांड कर रहे हैं जहां उनकी पार्टी के उम्मीदवारों के जीतने की संभावना है। एलजेपी के राज्य नेतृत्व का कहना है कि पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान के लिए ज्यादा के बजाय स्ट्राइक रेट को बनाए रखना ज्यादा महत्वपूर्ण है। पार्टी ने अंतिम फैसला चिराग पासवान के ऊपर ही छोड़ दिया है। लेकिन चिराग ने पांच ऐसी सीटों की डिमांड की है जिसपर पेच फंसा है। चिराग पासवान ने गोविंदगंज, लालगंज, वैशाली, मटिहानी और सिकंदरा सीट की डिमांड की है. विधानसभा चुनाव की तारीखें नजदीक आते ही एनडीए और महागठबंधन दोनों में सीट बंटवारे को लेकर तकरार तेज हो गई है।

15 सीटों की मांग पर अड़े मांझी

खासकर एनडीए में केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने अपमान की बात कहते हुए 15 सीटों की मांग पर अड़े होने का ऐलान किया है। उन्होंने साफ धमकी दी है कि अगर इतनी सीटें नहीं मिलीं तो उनकी पार्टी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) एक भी सीट पर चुनाव नहीं लड़ेगी। दूसरी ओर, लोक जनशक्ति (राम विलास) के नेता चिराग पासवान ने खुलकर तो कुछ नहीं कहा, लेकिन इशारों में हर कदम पर लड़ना सीखोह्न का संदेश देकर सहयोगियों को चेतावनी दी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या एनडीए में मांझी और चिराग की राहें जुदा हो जाएंगी एनडीए की सबसे बड़ी टेंशन जीतनराम मांझी से जुड़ी है। हमेशा छव। का साथ देने का दावा करने वाले मांझी ने कहा है कि अब छव। को उनका साथ देना होगा। उन्होंने 15 सीटों की मांग दोहराई है और चेतावनी दी कि लड़ेंगे तो 15 पर, वरना एक पर भी नहीं। मांझी ने कहा कि हम नरेंद्र मोदी के चहेते हैं, उनके चेले हैं। जो नरेंद्र मोदी का इशारा होगा, एनडीए का होगा, उसके लिए हम रात-दिन एड़ी-चोटी का पसीना एक करेंगे।

बिना कुछ कहे ही चिराग ने भी दी चेतावनी

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीजेपी-जेडीयू मिलकर 205 सीटें ले सकती हैं, बाकी छोटे सहयोगियों में बटेंगी। वहीं, दूसरी तरफ लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के नेता चिराग पासवान ने सीधे तौर पर नाराजगी नहीं जताई, लेकिन अपने पिता राम विलास पासवान के शब्दों से सहयोगियों को सचेत कर दिया। चिराग ने कहा कि उनकी मांग सिर्फ बिहार फर्स्ट की है, न कि पद या सीटों की।

बोलीं ममता...कार्यवाहक पीएम जैसा बर्ताव कर रहे शाह

एजेंसी/कोलकता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा, देश के गृह मंत्री अमित शाह कार्यवाहक प्रधानमंत्री जैसा व्यवहार कर रहे हैं। सीएम ममता ने कहा कि पीएम मोदी को इससे सतर्क रहना चाहिए। दूसरी तरफ भाजपा ने बंगाल की कानून व्यवस्था के मुद्दे पर ममता सरकार का घेराव किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पर करारा पलटवार भी किया था। अब ताजा घटनाक्रम में सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को लेकर टिप्पणी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह

मंत्री अमित शाह की हरकतें और उनका व्यवहार ह्लकार्यवाहक प्रधानमंत्रीह्व जैसा है।बाढ़ से तबाह उत्तरी बंगाल से लौटने के बाद कोलकाता हवाई अड्डे के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह करना चाहती हूं कि वे शाह पर अधिक भरोसा न करें। जो एक दिन उनके लिए मीर जाफर जैसे बन सकते हैं। बता दें कि 18वीं सदी में तत्कालीन बंगाल के सेनापति जाफर ने पलासी के युद्ध में नवाब सिराजुद्दौला को धोखा दिया था और बाद में अंग्रेजों की मदद से राजा बने थे।केंद्र सरकार और देश की शीर्ष सांविधानिक संस्था- निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लागू करने के नाम पर चुनाव आयोग जो कुछ भी कर रहा है, वह शाह के इशारे पर हो रहा है। अमित शाह कार्यवाहक प्रधानमंत्री की तरह व्यवहार कर रहे हैं। दुर्भाग्य से, प्रधानमंत्री भी उनके सभी कार्यों से वाकिफ हैं।

जुबीन गर्ग मौत मामले में असम पुलिस के डीएसपी गिरफ्तार

एजेंसी/गोवाहाटी

गायक जुबीन गर्ग के निधन मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गायक के चचेरे भाई और असम पुलिस सेवा अधिकारी संदीपन गर्ग को गिरफ्तार कर लिया है। वह सिंगापुर में उस नौका पर गायक के साथ मौजूद थे, जहां उनका निधन हुआ था। सीआईडी की तरफ से की गई कई पूछताछ के बाद संदीपन गर्ग को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले दिवंगत गायक जुबीन गर्ग के कई करीबी सहयोगियों के साथ भी पूछताछ की गई थी। एसआईटी-सीआईडी ने अब तक इस मामले में कार्यक्रम आयोजक श्यामकानु महंत, जुबीन गर्ग के प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा, जुबीन के बैंडमेट शेखर ज्योति गोस्वामी और सह-गायक अमृतप्रभा महंत सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। जुबिन की पत्नी गरिमा ने उनके निधन के कारणों की जांच की मांग की। उन्होंने सवाल उठाया कि डॉक्टरों की सलाह के बावजूद, जिनमें जुबिन को पानी और आग से दूर रहने की हिदायत दी गई थी, उन्हें समुद्र में क्यों ले जाया गया। गरिमा ने यह भी पूछा कि उनके मैनेजर और दोस्तों ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति को जानकर भी उन्हें इस खतरे से क्यों नहीं रोका। जांच के दौरान संगीतकार शेखर ने एसआईटी के सामने दावा किया कि सिद्धार्थ शर्मा और श्यामकानु महंत ने सिंगापुर में जुबिन गर्ग को जहर दिया था, जो इस मामले में एक नया मोड़ साबित हो सकता है।

भारतीय वायु सेना अपनी वीरता, साहस और पराक्रम की देता है गवाही

भारतीय वायु सेना ने मनाया अपना 93वां स्थापना दिवस

एजेंसी/नई दिल्ली

8 अक्टूबर, एक तारीख जो हर साल भारतीय वायु सेना की वीरता, साहस और पराक्रम की गवाही देती है। आज पूरा देश 93वां वायु सेना दिवस मना रहा हैं। हर साल की तरह ये महज एक परेड नहीं एक शक्ति प्रदर्शन है। भारतीय वायुसेना की स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को हुई थी जिसके बाद से ही प्रतिवर्ष इस दिन को वायु सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है। एयर मार्शल सुब्रोतो मुखर्जी को

भारतीय वायु सेना का संस्थापक माना जाता है। आजादी के बाद 1 अप्रैल 1954 सुब्रोतो मुखर्जी को भारतीय वायु सेना का पहला वायु सेना प्रमुख भी नियुक्त किया गया था। वायुसेना दिवस युवा पीढ़ी को देश सेवा के लिए प्रेरित करने, राष्ट्रीय एकता और गर्व की भावना जगाने का भी काम करता है। भारतीय वायुसेना देश की सुरक्षा के साथ ही आपदा राहत, बचाव कार्य, शांति अभियानों और विदेश में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए वायुसेना दिवस उसके गौरवशाली इतिहास, विकास और साहसिक कार्यों को जनता के सामने लाने के लिए इस दिन को मनाया जाता है। देश में जल, थल और वायु सेनाओं का अपना एक आदर्श वाक्य है। भारतीय वायुसेना का आदर्श वाक्य है- नभः स्पृशं दीप्तम। भारतीय वायु सेना का आदर्श वाक्य गीता के ग्यारहवें अध्याय से लिया गया है। यह महाभारत के महायुद्ध के दौरान कुरूक्षेत्र की युद्धभूमि में भगवान श्री क्रष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेश में से एक है। 8 अक्टूबर 1932 को ब्रिटिश शासन के अधीन रॉयल इंडियन एयर फोर्स के रूप में भारतीय वायु सेना की नींव रखी गई।

डुमरांव व नया भोजपुर में अर्द्धसैनिक बलों के साथ पुलिस के वरीय पदाधिकारियों ने निकाला फ्लैग मार्च

- फ्लैग मार्च निकाल प्रशासन ने भयमुक्त माहौल में मतदान की अपील की, बूटो की धमक से उपद्रवी तत्वों में मचा हड़कंप

केटी न्यूज/डुमरांव

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मंगलवार की देर शाम डुमरांव जबकि बुधवार को नया भोजपुर थाने की पुलिस ने अपने-अपने क्षेत्र में पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों की संयुक्त फ्लैग मार्च निकाल लोगों को भयमुक्त माहौल में मतदान करने का संदेश दिया।

डुमरांव में फ्लैग मार्च के दौरान एसडीपीओ पोलस्त कुमार, थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा समेत कई अन्य पुलिस अधिकारी

अर्द्धसैनिक बलों के जवान शामिल थे। इस फ्लैग मार्च से उपद्रवी तत्वों में हड़कंप मच गया है।

दूसरी तरफ नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार के नेतृत्व में नया भोजपुर थाना क्षेत्र में सीआरपीएफ के ओसी एफ/111 सरोज कुमार, एसआई सुमन कुमार, एसआई श्रीराम ठाकुर, एएसआई मोहम्मद शाहिद समेत दर्जनों जवानों द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया।

यह फ्लैग मार्च क्षेत्र के नवाडेरा, गोपालडेरा, प्रतापसागर और आसपास के क्षेत्रों में पैदल एवं वाहन दल के साथ भ्रमण किया। इस दौरान लोगों से शांतिपूर्ण मतदान की अपील की गई और अफवाहों से दूर रहने का संदेश दिया गया। इस फ्लैग मार्च का उद्देश्य चुनाव से पूर्व सुरक्षा की समीक्षा और जनता में विश्वास कायम करना है। आचार संहिता का सख्ती से पालन कराया जाएगा तथा किसी भी तरह की लापरवाही या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थानाध्यक्ष ने चेतावनी दी कि माहौल बिगाड़ने या सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचना फैलाने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और प्रशासन आचार संहिता के नियमों का अनुपालन कराने को लेकर चौबीसों घंटे सक्रिय है।

वहीं, एसडीपीओ पोलत्स ने कहा कि आदर्श आचार संघिता लागू हो गई है। क्षेत्र में विधि व्यवस्था संस्थारण व आदर्श आचार संहिता का पालन कराने के लिए पुलिस सक्रिय है। उन्होंने कहा कि पुलिस-प्रशासन की चप्पे-चप्पे पर नजर बनी हुई है। यदि कोई गड़बड़ी फैलाने या आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का प्रयास करता है तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एसडीपीओ ने कहा कि विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व भयमुक्त माहौल में संपन्न कराना पुलिस की प्राथमिकता है।

पटाखा बरामदगी मामले में मकान मालिक सह व्यवसायी पर एफआईआर दर्ज

डुमरांव के रिहायशी इलाके में पटाखा के अवैध कारोबार का प्रशासन ने किया भंडाफोड़, गोदाम को किया सील

- डुमरांव बीडीओ के बयान पर दर्ज कराया गया एफआईआर, मौके से 42 प्रकार के कुल एक लाख चार हजार 654 पीस पटाखा बरामद

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रशासन ने मंगलवार की रात बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के स्टेशन टिकट काउंटर के सामने स्थित रिहायशी कॉलोनी कमल नगर मोहल्ले के एक निमार्णाधीन मकान में अवैध पटाखा भंडारण का खुलासा किया। छापेमारी के दौरान प्रशासनिक टीम ने मकान के कई कमरों को सील कर दिया। इस कार्रवाई का नेतृत्व एसडीएम राकेश कुमार, बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, एसडीपीओ पोलस्त कुमार और थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने किया। एसडीएम राकेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर

यह छापेमारी की गई थी। जांच में पाया गया कि आवासीय क्षेत्र में भारी मात्रा में पटाखे का भंडारण किया गया था, जबकि इस वर्ष अभी पटाखा स्टोरेज या बिक्री का लाइसेंस भी निर्गत नहीं हो रहा है। जाहिर है, यह भंडारण अवैध था।

प्रशासनिक टीम ने तत्काल उक्त गोदाम को सील कर दिया। वहीं, डुमरांव बीडीओ संदीप कुमार पांडेय के बयान पर मकान मालिक सह राजगोला के व्यवसायी रामायण प्रसाद के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराया गया है।

पुलिस ने मौके से 42 प्रकार के कुल एक लाख, चार हजार 654 पीस पटाखा बरामद किया है, जिसकी कीमत लाखों रूपए आंकी जा जा रही है। गौरतलब हो कि पिछले साल भी दीपावली से पहले प्रशासन ने डुमरांव राजगोला से सटे न्यू मार्केट स्थित एक दुकान से बिना लाइसेंस के बिक्री के लिए रखा गया भारी मात्रा में शोरा बरामद किया था।

डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह स्टॉक कहां से लाया गया और किन लोगों की इसमें संलिप्तता है, इसकी गहराई से जांच की जा रही है।

छापेमारी के दौरान मौके पर डुमरांव थाने के एसआई मतेन्द्र कुमार, प्रियंका कुमारी समेत भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है, जबकि स्थानीय लोगों ने प्रशासन की तत्परता की सराहना की है।

बता दे कि अभी पटाखा बिक्री का लाइसेंस भी निर्गत नहीं हो रहा है, बावजूद व्यवसाई अभी से ही दीपावली के मद्देनजर पटाखा का भंडारण करने लगे हैं।

वहीं, रिहायशी इलाके में अवैध तरीके से पटाखा का भंडारण को लेकर स्थानीय निवासियों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि पटाखा जैसे विस्फोटक पदार्थ के अवैध भंडारण से कभी भी हादसा हो सकता है जिसकी चपेट में आसपास के घर भी आ सकते हैं। लोगों ने प्रशासन से इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गौरतलब हो कि कुछ वर्ष पूर्व नया भोजपुर में अवैध पटाखा निर्माण के दौरान विस्फोट होने से एक घर पूरी तरह से मलवे में तब्दील हो गया था, जबकि आस पास के घरों की दीवाले भी दरक गई थी। यही कारण है कि रिहायशी इलाके में अवैध पटाखा भंडारण के खिलाफ लोगों में गहरा आक्रोश देखा गया।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

राजपुर के दर्जनों शिक्षकों महीनों से वेतन बंद, बीईओ से लगाई गुहार

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर प्रखंड के दर्जनों शिक्षक बीते कई महीनों से बिना वेतन के कार्य कर रहे हैं। स्थिति यह है कि तकरीबन 71 शिक्षकों को वेतन भुगतान नहीं हो सका है, जिसके कारण वे आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। शिक्षक रोजाना शिक्षा विभाग के दफ्तर का चक्कर लगा रहे हैं, पर समाधान अब तक नहीं हुआ। उत्तमपुर मध्य विद्यालय के शिक्षक ओम प्रकाश सिंह और रौनी की शिक्षिका अंजू कुमारी ने बताया कि बार-बार आवेदन देने के बावजूद विभागीय कार्रवाई नहीं हो रही है। उनका कहना है कि सरकार शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए दरबार तो लगाती है, लेकिन नतीजा सिर्फ कागजों तक सीमित रहता है। शिक्षक ओम प्रकाश सिंह ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर बीआरसी कार्यालय में कार्यरत कर्मियों की भूमिका और वेतन प्रक्रिया की जांच की मांग की है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कोई व्यक्ति शिक्षकों का वेतन विवरण तैयार कर रहा है, तो भुगतान में देरी क्यों हो रही है। वेतन न मिलने से नाराज शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे और मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी। इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ज्ञानू प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षकों की समस्या से संबंधित आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जानकारी वरीय पदाधिकारी को भेज दी जाएगी ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

मीडिया लोकतंत्र की सशक्त आवाज है : जिलाधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य की संयुक्त अध्यक्षता में मीडिया कर्मियों से संबंधित कार्य एवं दायित्व पर द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित किया गया। डीएम ने इस दौरान निर्वाचन कार्यक्रम से जुड़ी प्रमुख तिथियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिसूचना 10 अक्टूबर को जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर, नामांकन पत्रों की संवीक्षा 18 अक्टूबर, अभ्यर्थिता वापसी की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर, मतदान 6 नवम्बर तथा मतगणना 14 नवम्बर को की जाएगी। निर्वाचन प्रक्रिया 16 नवम्बर तक पूर्ण कर ली जाएगी।

आदर्श आचार संहिता और बीएनएसएस की धारा 163 लागू

प्रेस नोट जारी होते ही जिले में आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है। साथ ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 भी प्रभावी हो गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी और भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मीडिया की भूमिका पर दिया दिशा-निर्देश

डीएम ने बताया कि मतदान के एक दिन पहले और मतदान के दिन प्रिंट मीडिया के विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणीकरण आवश्यक होगा ताकि भ्रामक प्रचार रोका जा सके। मतदान केन्द्र के अंदर प्रवेश केवल निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत प्राधिकार पत्र के आधार पर ही दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र की सशक्त आवाज है, अतः निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी मीडिया प्रतिनिधियों से अपेक्षा है कि वे प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

डॉ. मनोज पांडे फिर बने बक्सर जिला कांग्रेस अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने बक्सर के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार पांडे का निलंबन रद्द करते हुए उन्हें तीसरी बार बक्सर जिला कांग्रेस कमिटी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस निर्णय से कांग्रेस कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह और खुशी की लहर देखी जा रही है।

पार्टी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डॉ. प्रमोद ओझा ने इसे कांग्रेस के लिए मजबूती का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. पांडे ने अपने 38 साल के राजनीतिक सफर में पार्टी के प्रति निरंतर समर्पण और निष्ठा दिखाई है। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने संगठन को जीवित और सक्रिय रखा, जिसका परिणाम आज की बहाली के रूप में सामने आया है।

अपनी पुनर्नियुक्ति पर डॉ. मनोज पांडे ने कहा कि यह बहाली उनके पार्टी के प्रति समर्पण और लंबे संघर्ष की पहचान है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उसे मैं पूरी निष्ठा से निभाऊंगा। राहुल गांधी जी के नेतृत्व में संविधान की रक्षा और लोकतंत्र बचाने के मिशन को आगे बढ़ाऊंगा।

उन्होंने आगे कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में बक्सर कांग्रेस एकजुट होकर मैदान में उतरेगी और पार्टी के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करेगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यकताओं ने फूल-माला, गुलदस्ता और अंगवस्त्र देकर उनका स्वागत किया।

बधाई देने वालों में प्रदेश प्रतिनिधि विनय कुमार सिंह, वरिष्ठ नेता भोला ओझा, त्रिलोकीनाथ मिश्रा, किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष संजय कुमार पांडे, महिला कांग्रेस अध्यक्ष निर्मला देवी, सोशल मीडिया अध्यक्ष अभय मिश्रा समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहे। सभी ने आशा व्यक्त की कि डॉ. पांडे के नेतृत्व में कांग्रेस बक्सर में नई ऊर्जा और मजबूती के साथ उभरेगी।

गंगा आरती से गूंजेगा प्रखंड तालाब परिसर, पहली बार होगा इतना भव्य आयोजन

केटी न्यूज/केसठ

आगामी छठ महापर्व को लेकर प्रखंड मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक तालाब परिसर में बुधवार को छठ पूजा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष राहुल कुमार ने की, जबकि संचालन संयोजक अजय कुमार विक्रांत ने किया। बैठक में पूजा की सभी तैयारियों को लेकर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस बार भगवान भास्कर की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। साथ ही तालाब की संपूर्ण सफाई, मार्ग की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था, चाय व दातून की सुविधा जैसे कार्यों

को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं और व्रतियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।अध्यक्ष राहुल ने बताया कि इस वर्ष छठ महापर्व पर लगभग दो लाख रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि इस बार का आयोजन पहले से कहीं अधिक भव्य और आकर्षक होगा। तालाब परिसर में विशाल पंडाल का निर्माण किया जाएगा, जहां वाराणसी के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा कृष्णा लीला, शिव तांडव और छठ मईया की झांकी प्रस्तुत की जाएगी। इसके अलावा वाराणसी के पंडितों द्वारा गंगा आरती का भव्य आयोजन किया जाएगा, जो इस वर्ष के छठ पर्व की विशेष आकर्षण रहेगा। अध्यक्ष ने बताया कि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लाइटिंग, सुरक्षा व्यवस्था, सफाई और चिकित्सा सुविधा पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बैठक के अंत में समिति ने स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की, ताकि इस वर्ष का छठ महापर्व ऐतिहासिक और सफल बनाया जा सके। बैठक में समिति के व्यवस्थापक मुकेश कुमार एवं विवेकानंद आर्य के अलावे कन्हैया कुमार, राहुल केसरी, संदीप कुमार, अजय गोप, तिलक कुमार, रवि, प्रिंस, नीरज, कमलेश, नारद, विकास, अखिलेश शर्मा, गगन सिंह समेत बड़ी संख्या में समिति के सदस्य और ग्रामीण उपस्थित थे।

एक नजर

विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से मवेशी की मौत, परिवार परेशान

बक्सर । मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नरबतपुर गांव में बुधवार की सुबह एक मवेशी की मौत बिजली के करंट लगने से हो गई। जानकारी के अनुसार गांव के ही छद्दू सिंह की भैस चरने के दौरान खेत के किनारे गिरे हुए बिजली के तार के संपर्क में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। संयोग कहे कि वहां बच्चे खेल रहे थे मगर, उस तरफ कोई नही गया। नही तो और बड़ी अनहोनी हो सकती थी। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कई दिनों से उस इलाके में बिजली का तार नीचे झूल रहा था, जिसकी शिकायत विभाग को दी गई थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। घटना के बाद पशुपालक परिवार गहरे सदमे में है। मृत मवेशी ही उनके परिवार की आय का मुख्य साधन थी, जिससे उनका गुजर-बसर चलता था। घटना की सूचना पर वार्ड पार्षद हृदय यादव मौके पर पहुंचे और उन्होंने बिजली विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताई। साथ ही उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। हालांकि, पीड़ित परिवार द्वारा थाने में भी आवेदन दिया गया है।

डुमरांव में बंद हैं दर्जनों सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा पर उठे रहे सवाल

नगरवासियों की सुरक्षा के लिये शहर और विस्तारित क्षेत्रों में लगाए गए कैमरे अधिकांश खराब पड़े हुए हैं। दशहरा पूजा से पहले ही इसको बनाने के लिये नप ईओ के द्वारा आश्वासन मिला हुआ था, लेकिन पर्व बित जाने के बाद भी इस दिशा में कोई पहल नहीं हुआ है। सीसीटीवी कैमरा खराब होने के चलते चोर-उचक्कों की सक्रियता बढ़ गई है। आए दिन दरवाजे पर रखे कीमती सामानों की चोरी हो जाती है, जिससे लागों की परेशानी बढ़ गई है। मालूम हो कि डुमरांव शहर और विस्तारित क्षेत्र में कुल 200 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिसमें 65 खराब पड़े हुए हैं। पुराना भोजपुर में लगभग आधा दर्जन लोगों के दरवाजे पर से बोरिंग के मोटर को गायब कर दिया गया है। गायब मोटर को सीसीटीवी में देखने आए लोगों को पता चला की पुराना भोजपुर में लगे कैमरे अधिकांश खराब हैं, जिससे चोरी का खुलासा नहीं हुआ, जिससे जिस खुशी में लोग आए थे, उससे कहीं उनके चेहरे पर उदासी छा गई। इस संबंध में जब नगर परिषद के बड़ाबाबू दुर्गेश सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया की डुमरांव शहर और विस्तारित क्षेत्र में कुल 200 सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है, जिसमें 65 खराब हैं, उन कैमरे को बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। बड़ाबाबू से जब यह पूछा गया की दशहरा पर्व में क्यों नहीं इसे ठीक किया गया तो इस बात पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

डुमरांव में विधानसभा चुनाव को लेकर विधि-व्यवस्था की समीक्षा बैठक संपन्न

डुमरांव।आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन-2025 को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में बुधवार को निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव राकेश कुमार एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पोलत्स कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के सभी थानाध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना था। इस दौरान अधिकारियों ने क्रिटिकल (संवेदनशील) मतदान केंद्रों की पहचान कर उन पर विशेष निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही चेक पोस्टों पर सघन निगरानी, अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण और संदिग्ध क्षेत्रों में लगातार छापेमारी अभियान चलाने पर जोर दिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखनी होगी। किसी भी प्रकार की अवैध शराब, नगदी या मतदाताओं को प्रलोभन देने वाली गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। निवार्ची पदाधिकारी सह एसडीओ राकेश कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप भयमुक्त और पारदर्शी चुनाव कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बक्सर में चुनाव से पहले बड़ी कार्रवाई, 45 लाख की विदेशी शराब जब्त, तस्कर सह चालक गिरफ्तार

- पशुचारा की आड़ में हो रही थी शराब की तस्करी, वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट पर उत्पाद विभाग की टीम ने शराब लदी ट्रक को पकड़ा
- गुप्त तहखाने से मिली विदेशी शराब की 299 पेटियां, गिरफ्तार चालक से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/बक्सर

विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक सतर्कता और उत्पाद विभाग की चौकसी का असर अब मैदान में दिखने लगा है। मंगलवार की देर रात वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट पर उत्पाद विभाग की टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 2655 लीटर अवैध विदेशी शराब जब्त की। हरियाणा से लाया जा रहा यह माल करीब 45 लाख रुपए मूल्य का बताया जा रहा है। इस कार्रवाई में एक ड्राइवर को मौके से गिरफ्तार किया गया है, जो हरियाणा का रहने वाला है।

उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल ने बताया कि विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि हरियाणा से एक ट्रक के जरिए बड़ी मात्रा में शराब बिहार लाई

जा रही है। सूचना के आधार पर वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान उतराखंड नंबर का एक ट्रक जिसका रजिस्टेज्शन नंबर यूके 04सीसी 1822 वहां पहुंचा, जो पहली नजर में सामान्य मालवाहक गाड़ी प्रतीत हो रहा था।

हालांकि टीम को ट्रक में लदे बोरे संदिग्ध लगे। जब ट्रक को खाली कराया गया तो उसके बीचों-बीच बने गुप्त तहखाने का राज खुल गया। उस तहखाने में शराब की 299 पेटियां बारीकी से छिपाई गई थीं। तस्करों ने स्कैनर और एक्स-रे मशीनों से बचने के लिए तहखाने के चारों ओर बोरे में पशु आहार भर रखा था, ताकि किसी को शक न हो।

पटना में होने वाली थी डिलीवरी

गिरफ्तार ट्रक चालक सह तस्कर की पहचान हरियाणा के भिवानी खेड़ा थाना क्षेत्र के बरसी गांव निवासी अजीत सिंह (37 वर्ष), के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि शराब हरियाणा से लोड की गई थी और उसे उत्तर प्रदेश के रास्ते पटना पहुंचाना था। उत्पाद विभाग को शक है कि इस नेटवर्क के तार बिहार के कई जिलों से जुड़े हुए हैं। ड्राइवर से पूछताछ के आधार पर अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है।

अधिकारियों के अनुसार, हाल के दिनों में बक्सर को हरियाणा और उत्तर प्रदेश से बिहार में शराब तस्करी के लिए एक सुरक्षित ट्रांजिट पॉइंट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी कारण जिले के सीमावर्ती इलाकों में उत्पाद विभाग ने जांच को और सख्त कर दिया है।

चुनाव से पहले बढ़ी सतर्कता, प्रशासन ने दी चेतावनी

विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रशासन पहले से ही शराब तस्करी और मतदाता प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर निगरानी बढ़ा चुका है। इस कार्रवाई के बाद बक्सर जिला प्रशासन ने सभी चेकपोस्टों और सीमा क्षेत्रों पर अतिरिक्त बल की तैनाती के निर्देश दिए हैं। उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल ने कहा कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू है। कोई भी व्यक्ति अगर शराब की खरीद, बिक्री या तस्करी में शामिल पाया जाएगा, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। चुनावी माहौल में अवैध गतिविधियों के लिए किसी को भी बक्सर की धरती इस्तेमाल नहीं करने दी जाएगी।

सख्त निगरानी और लगातार अभियान जारी

विभाग के अनुसार, हाल ही में कई गाड़ियों से शराब जब्ती की घटनाएं दर्ज की गई हैं। लेकिन वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट पर हुई यह कार्रवाई अब तक की सबसे बड़ी मानी जा रही है। उत्पाद विभाग ने स्पष्ट किया है कि आने वाले दिनों में हर संदिग्ध वाहन की तलाशी ली जाएगी और जिले के सभी प्रवेश मार्गों पर 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी। बक्सर में यह कार्रवाई न केवल उत्पाद विभाग की चौकसी का उदाहरण है, बल्कि यह इस बात का भी संकेत है कि आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था और शराबबंदी पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

भाजपा ने चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक बने डॉ. राजीव झा, मिली बधाई

केटी न्यूज/बक्सर

चुनावी माहौल के बीच भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ह्लचिकित्सा प्रकोष्ठह्व का गठन किया है। इसी क्रम में बुधवार को पार्टी कार्यालय अहिरौली में परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की, जबकि संचालन प्रवक्ता दीपक पांडेय ने किया। बैठक में भाजपा ने चिकित्सा प्रकोष्ठ का जिला संयोजक विश्वामित्र हॉस्पिटल के डायरेक्टर सह वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजीव झा को नियुक्त करने की आधिकारिक घोषणा की गई। डॉ. झा एमबीबीएस (पीएमसीएच), जेआर (एसएच), एनेस्थीसिया (एनएमसीएच पटना) के रूप में लंबे समय से चिकित्सकीय सेवा में सक्रिय हैं। उनके अनुभव, शिक्षा और सेवाभाव के कारण भाजपा कार्यकर्ताओं में इस घोषणा के बाद उत्साह की लहर दौड़ गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अलीगढ़ के सांसद सतीश गौतम उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा हमेशा समाज के हर वर्ग को संगठित करने में विश्वास रखती है, और चिकित्सा प्रकोष्ठ इस दिशा में एक सार्थक कदम है। जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने डॉ. झा की नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. झा जैसे योग्य और सेवाभावी व्यक्ति के नेतृत्व में चिकित्सा प्रकोष्ठ निश्चित रूप से जनहित में कार्य करेगा। उनकी भूमिका आगामी विधानसभा चुनाव में भी महत्वपूर्ण होगी। अपने संबोधन में डॉ. राजीव झा ने कहा कि भाजपा ने जो भरोसा मुझ पर जताया है, उसके लिए मैं प्रदेश नेतृत्व और जिलाध्यक्ष का आभारी हूं। चिकित्सा प्रकोष्ठ का उद्देश्य सिर्फ संगठन को मजबूत करना नहीं, बल्कि आम जनता तक सेवा और सहयोग पहुंचाना है। मैं अपने दायित्व को पूर्ण निष्ठा से निभाने का प्रयास करूंगा। बता दें कि डॉ. झा की गिनती जिले के उच्चकोटि के चिकित्सकों में होती है तथा वे मरीजो के इलाज के साथ ही हमेशा जरूरमंदो की सेवा में तत्पर रहते है।

ऑनलाइन किताब खरीदने के चक्कर में छात्रा के खाते से 48 हजार गायब, साइबर ठगों ने लगाया चूना

केटी न्यूज/राजपुर

ऑनलाइन खरीदारी के बढ़ते चलन के बीच अब साइबर ठग नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला राजपुर थाना क्षेत्र के उतड़ी गांव का है, जहां प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही छात्रा किरण कुमारी साइबर अपराधियों के जाल में फंस गई। किताब खरीदने के चक्कर में उसके खाते से 48 हजार रुपये साफ हो गए।पीड़िता के अनुसार, उसने कुछ दिन पहले ह्लखान ग्लोबल स्टडीजह्व नामक वेबसाइट से ऑनलाइन किताबें ऑर्डर की थीं। समय पर डिलीवरी न मिलने पर उसने ऑर्डर कैंसिल कर दिया। इसके कुछ दिन बाद मंगलवार को एक अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप कॉल कर खुद को उसी वेबसाइट का प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि ऑर्डर रद्द होने के कारण उसकी रकम लौटाई जाएगी। विश्वास में आकर छात्रा ने अपना बैंक खाता नंबर साझा कर दिया। कुछ ही पलों में उसके मोबाइल पर पैसे निकलने का संदेश आया और उसे ठगी का अहसास हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने तत्काल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क कर खाते को फ्रीज कराया। मामले की जांच पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

छात्राओं ने चित्रकला के माध्यम से जगाया मतदान के प्रति जागरूकता

- डुमरांव के महारानी उषा रानी बालिका प्लस टू उच्च विद्यालय में आयोजित हुई थी प्रतियोगिता

केटी न्यूज/डुमरांव

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह के निदेर्शानुसार बुधवार को डुमरांव स्थित प्लस टू महारानी उषा रानी बालिका उच्च विद्यालय में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी बिहार विधान सभा चुनाव 2025 को शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य की ओर अग्रसर करना था। प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं ने बढ़-

चढ़कर भाग लिया और अपनी कल्पनाशक्ति तथा रंगों के माध्यम से मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। छात्राओं ने अपने चित्रों में पहले मतदान, फिर जलपान, हर वोट जरूरी है, चलो मतदान करें, जैसे प्रेरक नारों को उकेरते हुए लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदारी के महत्व को प्रदर्शित किया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में काफी उत्साह देखने को मिला। छात्राओं ने कहा कि मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि देश के प्रति जिम्मेदारी भी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सभी मतदाता मतदान के दिन बूथ तक अवश्य जाएं और लोकतंत्र को सशक्त बनाएं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की शिक्षिकाओं एवं स्वीप कोषांग के प्रतिनिधियों ने भी छात्राओं को मतदान के महत्व से अवगत कराया। उपस्थित अतिथियों ने कहा कि युवाओं और विद्यार्थियों के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाना सबसे प्रभावी तरीका है, क्योंकि वे अपने घर और आस-पड़ोस के लोगों को मतदान के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस अवसर पर मतदाता संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट चित्र प्रस्तुत करने वाली छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जिला प्रशासन ने बताया कि स्वीप कार्यक्रम के तहत आगामी दिनों में भी विभिन्न विद्यालयों और कॉलेजों में ऐसी कई प्रतियोगिताओं जैसे निबंध लेखन, नुक्कड़ नाटक, रैली और क्विज प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाएगा, ताकि हर मतदाता मतदान के प्रति जागरूक और प्रेरित हो सके।

वन्यप्राणी सप्ताह पर में निकाली गई जागरूकता रैली

केटी न्यूज/सासाराम

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,बिहार सरकार के बैनर तले 71वें वन्यप्राणी सप्ताह के उपलक्ष्य में रोहतास वन प्रमंडल की ओर से 7 अक्तूबर को एक प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इस प्रभात फेरी का मुख्य उद्देश्य वन्य प्राणियों के संरक्षण और उनके महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था । प्रभात फेरी रोहतास वन विभाग से आरंभ होकर जिला अधिकारी आवास होते हुए नगर थाना से वन विभाग रेंजर कार्यालय पहुंची, जहां

छात्र-छात्राओं के बीच वन्यजीव एवं पर्यावरण के विषय पर चर्चा की गई । रैली के दौरान स्कूली बच्चों और वन विभाग के अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चे वन्य प्राणी बचाओ, पर्यावरण बचाओ आदि नारे लगाते हुए स्लोगन वाले तख्ती लेकर चल रहे थे । प्रभात फेरी को फॉरेस्ट रेंजर दीपक कुमार सिंह, वनपाल अमित कुमार, अमलेश कुमार, संत जोसेफ स्कूल निदेशक संतोष कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर रेंजर दीपक कुमार सिंह ने बताया कि प्रति वर्ष दो से आठ अक्तूबर तक वन्य प्राणी सप्ताह मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वन्य जीवों की महत्ता लोगों को समझाना है। कहा कि जीवन चक्र के लिए वनों का जितना महत्व है, उतना ही महत्व वन्य प्राणियों का है। स्कूल निदेशक सह बिहार पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन जिलाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि कल वन्यप्राणी सप्ताह 2025 के तहत रोहतास वन विभाग के बैनर तले वन्यप्राणी सप्ताह के आखरी दिन 8 अक्तूबर 2025 को कनोडिया पंप स्थित संत जोसेफ स्कूल परिसर में बच्चों के बीच विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराई जाएंगी । वहीं इस कार्यक्रम के तहत वन और वन्य जीवों पर निबंध प्रतियोगिता कक्षा 6 और कक्षा 7 के छात्रों के बीच आयोजित 6 अक्तूबर को स्कूल परिसर में करवाई गई थी । जिसमें 50 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था । जिस प्रतियोगिता में प्रथम कक्षा 7 से आरव मेहता द्वितीय कक्षा 6 के श्रेया सिंह और तृतीय कक्षा 7 से आर्यन कुमार स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को रोहतास वन विभाग तरफ से मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया साथ ही इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी बच्चों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

विधानसभा चुनाव से पहले मनोज मंजिल की उम्रकैद की सजा बरकरार

एजेंसी/पटना

पटना हाई कोर्ट ने भोजपुर जिले के चर्चित अपहरण और हत्या कांड में सीपीआई (माले) के पूर्व विधायक मनोज मंजिल सहित 23 आरोपियों को बड़ी राहत देने से इंकार कर दिया है। अदालत ने सभी की ओर से दायर आपराधिक अपीलों को खारिज करते हुए आरा सिविल कोर्ट के एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा दी गई उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। साथ ही, सभी 23 दोषियों को एक सप्ताह के भीतर आरा कोर्ट में आत्मसर्पण करने का आदेश दिया है। फिलहाल जमानत पर चल रहे सभी आरोपियों की जमानत रद्द कर दी गई है। यह फैसला जस्टिस राजीव रंजन प्रसाद और जस्टिस अजीत कुमार की खंडपीठ ने सुनाया। कोर्ट ने 72 पन्नों के अपने विस्तृत आदेश में कहा कि निचली अदालत ने सबूतों और गवाहों के आधार पर सही तरीके से दोष सिद्ध किया है। मामला वर्ष 2015 के अजीमाबाद थाना कांड संख्या 51/2015 से जुड़ा है। इस कांड में सूचक चंदन सिंह ने अपने

पिता जेपी सिंह के अपहरण और हत्या का आरोप लगाया था। प्राथमिकी के अनुसार, पार्टी की आमसभा से लौटने के दौरान अभियुक्तों ने जातिगत द्वेष के कारण जेपी सिंह को पकड़ लिया और लाठी - डंडे,ईंट पत्थर से हमला कर उनकी हत्या कर दी थी। इसके बाद शव को लेकर फरार हो गए थे, जिसे बाद में पुलिस ने बरामद किया था। इस मामले में आरा सिविल कोर्ट के एमपी एमएलए कोर्ट ने गत 13 फरवरी 2024 को सभी 23 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अब हाईकोर्ट के फैसले के बाद इन सभी का जेल जाना तय माना जा रहा है। न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि कानून से ऊपर कोई नहीं, चाहे वह जनप्रतिनिधि ही क्यों न हो। वहीं इस मामले को लेकर अगिआंव से माले के वर्तमान विधायक शिव प्रकाश रंजन ने कहा कि पूर्व विधायक हमारे कॉमरेड मनोज मंजिल समेत 23 लोगों को फर्जी मुकदमें में आरा सिविल कोर्ट ने उम्रकैद की सजा दी थी। उस सजा के खिलाफ हमलोग हाई कोर्ट भी गए थे। लेकिन पटना हाई कोर्ट ने उस सजा को बरकरार रखते हुए सबको सरेंडर करने को कहा है। जो बहुत ही निराशाजनक है। भाजपा के राज में गांव में गरीबों की पीट पीटकर हत्या किया जा रहा है। हमारे पार्टी के नेता सतीश यादव की हत्या हुई थी और उनका हत्यारा खुलेआम घूम रहा है। अब हम लोग सुप्रीम कोर्ट में पहुंचेंगे।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद इन सभी का जेल जाना तय

प्राथमिकी के अनुसार, पार्टी की आमसभा से लौटने के दौरान अभियुक्तों ने जातिगत द्वेष के कारण जेपी सिंह को पकड़ लिया और लाठी - डंडे,ईंट पत्थर से हमला कर उनकी हत्या कर दी थी। इसके बाद शव को लेकर फरार हो गए थे, जिसे बाद में पुलिस ने बरामद किया था। इस मामले में आरा सिविल कोर्ट के एमपी एमएलए कोर्ट ने गत 13 फरवरी 2024 को सभी 23 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अब हाईकोर्ट के फैसले के बाद इन सभी का जेल जाना तय माना जा रहा है। न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि कानून से ऊपर कोई नहीं, चाहे वह जनप्रतिनिधि ही क्यों न हो।

अब हम लोग सुप्रीम कोर्ट में पहुंचेंगे

वहीं इस मामले को लेकर अगिआंव से माले के वर्तमान विधायक शिव प्रकाश रंजन ने कहा कि पूर्व विधायक हमारे कॉमरेड मनोज मंजिल समेत 23 लोगों को फर्जी मुकदमें में आरा सिविल कोर्ट ने उम्रकैद की सजा दी थी। उस सजा के खिलाफ हमलोग हाई कोर्ट भी गए थे। लेकिन पटना हाई कोर्ट ने उस सजा को बरकरार रखते हुए सबको सरेंडर करने को कहा है। जो बहुत ही निराशाजनक है। भाजपा के राज में गांव में गरीबों की पीट पीटकर हत्या किया जा रहा है। हमारे पार्टी के नेता सतीश यादव की हत्या हुई थी और उनका हत्यारा खुलेआम घूम रहा है। अब हम लोग सुप्रीम कोर्ट में पहुंचेंगे।

एक नजर

शराब सेवन में सात शराबी गिरफ्तार

बिक्रमगंज । सूर्यपुरा पुलिस ने स्थानीय बाजार से ही शराब सेवन के मामले में सात आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि थाना क्षेत्र के बलिहार निवासी अनिल कुमार सिंह, बारून निवासी उमेश सिंह,जिला बेगूसराय थाना चकिया क्षेत्र के मिजार्पुर निवासी नवीन साव,सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के बलिहार निवासी संजय चौधरी व शिवनाथ सिंह,अलीगंज निवासी सनोज सिंह एवं जिला भोजपुर नगर थाना आरा क्षेत्र के सोनी शीतल टोला निवासी संतोष कुमार को सूर्यपुरा बाजार से शराब सेवन के मामले में गिरफ्तार कर सभी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बाइक चोरी पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई

काराकाट । काराकाट नगर पंचायत के गोडारी बाजार से एक बाइक चोरी का मामला सामने आया है। यह घटना बुधवार दोपहर करीब 11:45 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित ने इस संबंध में थाने में शिकायत दर्ज कराई है। थाना क्षेत्र के हटियां निवासी ललन सिंह के पुत्र चंदन कुमार अपनी स्प्लेंडर बाइक से गोडारी बाजार में कुछ सामान खरीदने आए थे। उन्होंने अपनी बाइक सोहराय मार्केट के सामने खड़ी की थी। सामान खरीदने के बाद जब चंदन कुमार वापस लौटे, तो उन्होंने देखा कि उनकी बाइक गायब थी। काफी देर तक खोजने के बाद भी जब बाइक का कोई पता नहीं चला, तो उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। चंदन कुमार ने अज्ञात लोगों के खिलाफ थाने में एक लिखित आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि उन्हें किसी विशेष व्यक्ति पर चोरी का संदेह नहीं है। प्रभारी थानाध्यक्ष मिथलेश राम ने बताया कि उन्हें बाइक चोरी की सूचना मिली है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

देशी रायफल और शराब के साथ एक महिला गिरफ्तार

बिक्रमगंज । रोहतास जिले के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के रौनी गांव में पुलिस ने छापेमारी कर एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला के पास से एक देशी रायफल और अवैध शराब बरामद की गई है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की। बरामद हथियार और शराब को जब्त कर लिया गया है। महिला से पूछताछ जारी है, पुलिस उसके आपराधिक नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

मतदाताओं को इंतजार अपने प्रत्याशियों को टिकट मिलने की

सासाराम। जिले में चुनाव की डुगडुगी बज चुकी है। अब मतदाताओं को इंतजार है-अपने प्रत्याशियों की। चुनाव में नये-पुराने प्रत्याशियों को उतरने की उम्मीद। जिले के चेनारी विधानसभा की बात करें तो वहाँ 2020 में कॉंग्रेस के टिकट पर विधायक बने मुरारी गौतम ने बाद में भाजपा का दामन थाम लिया था। इसको लेकर चेनारी विधानसभा के लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। यद्यपि कि चेनारी विधानसभा में एक बहुत बड़ा नाम समाजसेवी रामपुकार पाण्डेय उर्फ मान बाबा का है,जो अभी तक चुप्पी साधे हुए हैं। मान बाबा की चुप्पी कब टूटेगी, यह तो आने वाले समय में ही पता चलेगा। कई नये-पुराने प्रत्याशियों की निगाहें भी मान बाबा की ओर टिकी हुई हैं। मान बाबा के संदर्भ में यह माना जाता है कि उनका जिस भी प्रत्याशी पर आशीर्वाद रहता है, उसका जीतना तय माना जाता है। अब देखना यह होगा कि मान बाबा का आशीर्वाद आने वाले विधानसभा में किसको मिलेगा, यह भविष्य के गर्भ में है।

मुरारी गौतम ने कांग्रेस पार्टी एवं विधायक पद से दिया इस्तीफा, भाजपा का थामा दामन

सासाराम। चेनारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक मुरारी प्रसाद गौतम ने आज एक निर्णय लेते हुए कांग्रेस पार्टी एवं विधायक पद झ दोनों से इस्तीफा दे दिया है। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा उनका इस्तीफा विधिवत स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह निर्णय पूरी निष्ठा और गहन विचार के बाद, जनता की आकांक्षाओं एवं क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए लिया है। उन्होंने कहा कि चेनारी की जनता के सम्मान, सुरक्षा और समग्र विकास के लिए अब वे भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ देश को नई ऊँचाइयों पर ले जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के ह्वविकसित भारतह्व के संकल्प से प्रेरित होकर उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है और अब वे आगामी चेनारी विधानसभा चुनाव भाजपा के सिंबल कमल चिन्ह पर लड़ेंगे। अवसर पर मुरारी प्रसाद गौतम ने अपने क्षेत्र की जनता, समर्थकों एवं कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा चेनारी की जनता ने हमेशा मुझे अपार स्नेह और विश्वास दिया है। अब भाजपा के मार्गदर्शन में हम सभी मिलकर चेनारी को विकास,शिक्षा,रोजगार और समरसता का एक आदर्श क्षेत्र बनाएंगे।

चुनाव में शांति भंग करने वालों पर नकेल, भोजपुर के 117 बदमाशों को थाने में लगानी होगी हाजिरी

केटी न्यूज/आरा

आगामी विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष माहौल में संपन्न कराने के लिए भोजपुर पुलिस ने तैयारी तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक राज के निर्देशन में जिले भर में अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने की कार्रवाई चल रही है। इसी क्रम में अब तक 117 असामाजिक तत्वों के विरुद्ध अपराध नियंत्रण अधिनियम (सीसीए) के तहत प्रस्ताव तैयार कर जिला दंडाधिकारी को भेजा गया है। इनमें से 29 मामलों में प्रस्तावों को स्वीकृति भी मिल चुकी है। उन्हें एक से दूसरे थाने में जाकर नियमित रूप से हाजिरी लगानी होगी। शेष मामलों में नोटिस जारी करने की प्रक्रिया जारी है। जानकारी के अनुसार, जिले के विभिन्न थानों से आपराधिक प्रवृत्ति वाले तत्वों की सूची तैयार कर कार्रवाई की जा रही है।इन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि चुनावी माहौल में किसी तरह की अराजकता या हिंसक घटना न

घट सके। पुलिस प्रशासन का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। एसपी ने स्पष्ट किया है कि किसी भी व्यक्ति को माहौल बिगाड़ने या मतदाताओं को डराने-धमकाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे तत्वों की पहचान कर उन पर सीसीए सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने थाना स्तर पर भी निगरानी बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत मुख्यालय तक पहुंचाने का निर्देश जारी किया है। भोजपुर पुलिस की यह पहल चुनाव से पहले जिले में शांति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्त रुख का संकेत दे रही है।

जिला बदर विशाल की सरेआम हत्या के मामले में तीन आरोपी दबोचे, ईंट-पत्थर से कुचल दिया था सिर

केटी न्यूज/आरा

लोनी बॉर्डर क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते पीट-पीटकर की गई जिला बदर आरोपित विशाल की हत्या मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मृतक के भाई ने पांच आरोपितों पर हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस जांच में चार लोगों नाम और प्रकाश में आए थे। पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार किया है और अन्य आरोपितों की तलाश कर रही है। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि बेहटा हाजीपुर में एक अक्टूबर की शाम को जिला बदर आरोपित विशाल अपने साथी दीपांशु के साथ दूसरे मोहल्ले में अत्री चक्की के पास गया था। यहां उसकी पुराने विवाद के चलते अमन और उसके साथियों के साथ कहासुनी हो गई थी।इस दौरान अमन के स्वजन भी मौके पर आ गए। जिस पर अमन ने साथियों और स्वजन के साथ मिलकर विशाल और दिपांशु के साथ

मारपीट कर दी। आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपितों ने पास में पड़ी ईंट और पत्थर से दोनों पर वार करने शुरू कर दिये। जिससे दोनों को गंभीर चोट आई थी। इस बीच मौका पाकर दीपांशु मौके से भागने में कामयाब हो गया और विशाल वहीं रह गया। आरोपितों ने उसका सिर और जबड़ा ईंट से कुचल लहूलुहान कर दिया और मौके से फरार हो गए। मौके पर पहुंचे स्वजन ने घायल को जीटीबी अस्पताल भर्ती कराया, यहां उपचार के दौरान विशाल की मौत हो गई थी। मृतक के भाई सचिन ने मामले में अमन, तुषार, साहिल, संजीत उर्फ जीत, भीमा व अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसीपी ने बताया कि मामले में जांच के दौरान वरुण, देव उर्फ कालू व प्रिंस उर्फ पुच्ची निवासी बेहटा हाजीपुर के नाम प्रकाश में आने पर पुलिस ने मुकदमे में इनके नाम जोड़े थे। एसीपी ने बताया कि लोनी बार्डर पुलिस ने मंगलवार को मामले के मुख्य आरोपी अमन, वरुण और प्रिंस को लोनी गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपित अमन ने बताया कि उसका और विशाल का क्षेत्र में गुटबाजी को लेकर चार माह पहले भी विवाद हुआ था।

बिहार चुनाव को लेकर एक्टिव मोड में अरवल जिला प्रशासन

एजेंसी/अरवल

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को सफल, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से अरवल विधानसभा क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारी द्वय ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, खानकुलीपुर (बूथ संख्या-24) तथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मखदुमपुर (बूथ संख्या-28 एवं 29) का दौरा किया। उन्होंने केंद्रों पर पेयजल, बिजली, पंखा, शौचालय, रैंप जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक सुधार के निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय मतदाताओं से संवाद भी किया। मतदाताओं ने बताया कि मतदान प्रक्रिया में उन्हें अब तक कोई परेशानी नहीं हुई और सभी का वोटर कार्ड बन चुका है। मतदाता चुनाव प्रक्रिया से संतुष्ट दिखे। डीएम और एसपी ने मतदाताओं से निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की और आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव के लिए पूरी तरह सजग और प्रतिबद्ध है। इस मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, वरीय नोडल पदाधिकारी, और जिला जनसंपर्क पदाधिकारी समेत कई अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

कैमूर में भीषण जाम से लोग परेशान : मोहनिया से टोल प्लाजा तक एनएच-19 पर घंटों फंसे वाहन चालक

एजेंसी/कैमूर

कैमूर जिले में एक बार फिर जाम नासूर बन गया है। बुधवार की सुबह से ही राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 पर मोहनिया शहर से लेकर टोल प्लाजा मोहनिया तक वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। सुबह से लेकर दोपहर तक जाम की स्थिति जस की तस बनी रही। घंटों तक वाहन चालक जाम में फंसे रहे, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वाहन चालकों ने बताया कि सुबह से अब तक कोई भी प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे हैं। सड़क पर ट्रक, बस, कार और ऑटो की कतारें कई किलोमीटर तक फैली हुई हैं। इससे जहां ईंधन की बबार्दी हो रही है, वहीं यात्रियों को गर्मी और भूख-प्यास से जूझना पड़ रहा है। चालक सुधाकर ने बताया कि वे खाली गाड़ी लेकर लखनऊ जा रहे थे, लेकिन सुबह 10 बजे से ही जाम में फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ह्वगाड़ी रेंग-रेंग कर चल रही है, किसी को समझ नहीं आ रहा कि आखिर जाम खुल क्यों नहीं रहा। वहीं चालक अजय यादव ने बताया कि वे नासरीगंज से बालू लोड कर इलाहाबाद जा रहे हैं। सुबह 5 बजे से जाम में फंसे हैं और अब तक सिर्फ मोहनिया तक पहुंच पाए हैं। उन्होंने कहा कि आठ घंटे से ज्यादा हो गए, लेकिन जाम का अंत नहीं दिख रहा। एक अन्य चालक उमर ने बताया कि वे फायर ब्रिगेड की गाड़ी लेकर बेंगलुरु जा रहे हैं। सासाराम से मोहनिया तक पहुंचने में ही सात घंटे लग गए। ह्वहम रोड टैक्स और टोल टैक्स देते हैं, लेकिन फिर भी इस तरह की परेशानियों से जूझना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मोहनिया में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 पर अव्यवस्थित ट्रैफिक नियंत्रण के कारण जाम की स्थिति बार-बार बनती है। बावजूद इसके, प्रशासन की ओर से कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। यात्रियों ने मांग की है कि ट्रैफिक पुलिस और प्रशासन तत्काल मोर्चा संभाले ताकि राहत मिल सके।

बिहार चुनाव को लेकर सुरक्षाबलों की तैनाती शुरू, 1800 कंपनियों के जिम्मे होगी सुरक्षा की कमान

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद अब राज्य में सुरक्षाबलों की तैनाती की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) की कुल 500 कंपनियों की अग्रिम तैनाती की जा रही है। ये कंपनियां पहले चरण के चुनाव के लिए पहले ही भेजी जा रही हैं, जबकि बाकी की कंपनियों की तैनाती चुनाव से पहले की जाएगी। इस बार बिहार में दो चरणों में मतदान होगा, इसलिए सुरक्षा बलों की संख्या और उनकी तैनाती की योजना अधिक विस्तृत और सघन बनाई जा रही

है।जानकारी के मुताबिक, इस चुनाव के लिए कुल 1800 कंपनियों की मांग की गई है। इसमें से अभी 500 कंपनियों की अग्रिम तैनाती की जा रही है, जबकि केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से 1200 कंपनियों की और तैनाती की संभावना है। अगर इस आंकड़े को देखें तो कुल 1700 कंपनियों की तैनाती हो जाएगी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय कितनी कंपनियां भेजेगा। इसकी जानकारी बुधवार को सामने आएगी। आमतौर पर चुनाव के दौरान CAPF, सीआरपीएफ, आरएएफ और अन्य केंद्रीय सुरक्षाबलों की कंपनियां तैनात की जाती हैं। बिहार में भी इन्हीं बलों की तैनाती की जाएगी। चुनाव आयोग ने इस बार बिहार में दो चरणों में मतदान कराने का निर्णय लिया है। पहले चरण के लिए मतदान 6 नवंबर को और दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को होगा। नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। पहले चरण में 121 सीटों पर मतदान होगा, जबकि दूसरे चरण में 122 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। ऐसे दो चरणों में चुनाव होने के कारण सुरक्षाबलों को सीटों के बीच मूवमेंट के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलेगा। इसलिए चुनाव के लिए अधिक जवानों की आवश्यकता होगी। चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पोलिंग बूथों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे और चुनाव में हिंसा की कोई संभावना नहीं रहेगी। आयोग ने यह भी कहा कि प्रत्येक पोलिंग बूथ पर अधिकतम 1200 वोटर ही होंगे। इसका मतलब यह हुआ कि इस बार पोलिंग बूथों की संख्या बढ़ेगी। पोलिंग बूथों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ सुरक्षा के लिए जवानों की जरूरत भी स्वाभाविक रूप से बढ़ जाएगी। राज्य में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों की कंपनियां मतदान स्थल पर तैनात रहने के अलावा, बूथों के आसपास और संवेदनशील क्षेत्रों में पैट्रोलिंग भी करेंगी। इसके साथ ही, चुनाव के दौरान सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर किसी भी तरह की अशांति पर नजर रखी जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि चुनाव आयोग और पुलिस प्रशासन दोनों मिलकर सुनिश्चित करेंगे कि मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो। विशेषज्ञों का मानना है कि दो चरणों में चुनाव और बढ़ते पोलिंग बूथों के कारण इस बार सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाना अनिवार्य है।

पटना एयरपोर्ट पर पकड़ी गई संदिग्ध महिला, बैग से मिली कई चीज

एजेंसी। पटना

पटना एयरपोर्ट पर आज सीआईएसएफ ने एक संदिग्ध महिला को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। जांच के दौरान उसके बैग से तीन मोबाइल फोन, माचिस की डिब्बी, पूजा सामग्री और एक गुड़िया बरामद हुई है। इस घटना के बाद तुरंत हवाई अड्डा थाना को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस ने महिला को अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, यह महिला पिछले तीन दिनों से लगातार एयरपोर्ट परिसर में देखी जा रही थी, जिससे

सीआईएसएफ को संदेह हुआ। संदेह के आधार पर जब महिला की तलाशी ली गई, तो यह मामला सामने आया। अब तक संदिग्ध महिला की ओर से इस पूरी जांच पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

बिहार चुनाव 2025 : पहले चरण में जिन 121 सीटों पर डाले जाएंगे वोट

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 6 नवंबर और 11 नवंबर को होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी। 243 सदस्यीय विधानसभा में 7.4 करोड़ से अधिक मतदाता वोट डालने के पात्र हैं। पहले चरण के लिए नामांकन 10 अक्तूबर से शुरू हो जाएगा। जबकि 17 अक्तूबर को नामांकन फाइल करने की आखिरी तारीख है। पहले चरण में 121 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। जिन 121 सीटों पर वोट डाले जाएंगे वहां पिछले चुनाव में कौन सी पार्टी जीती थी।बता दें कि दूसरे चरण में 122 सीटों पर मतदान होगा। नामांकन प्रक्रिया 13 अक्टूबर को शुरू हो जाएगी। जबकि नामांकन फाइल करने की आखिरी तारीख 20 अक्टूबर है।

भाजपा के पास हैं ये सीटें

सहरसा, दरभंगा, हायाघाट, केवटी, जाले, औराई, बरूराज, पारू, बरौली, गोपालगंज, दरौंदा, तरैया, गोरिटाकोठी, छपरा, अमनौर, हाजीपुर, लालगंज, पातेपुर (एससी), मोहिउद्दीननगर, रोसड़ा (एससी), बछवारा, बेगूसराय, मुंगेर, लखीसराय, बिहारशरीफ, बाद, दीघा, बांकीपुर, कुम्हरार, पटना साहिब, बड़हरा, आरा।

जेडीयू के पास हैं ये सीटें

आलमनगर, बिहारीगंज, सोनवर्षा (एससी), महिषी, कुशेश्वरस्थान (एससी), बेनीपुर, बहादुरपुर, सकरा (एससी), कुचायकोट, भोरे (एसी), वैशाली, कल्याणपुर (एससी), वारिसनगर, सरायरंजन, बेलदौर, परबत्ता, तारापुर, बरबीघा, अस्थावां, राजगीर (एससी), हिलसा, नालंदा और हरनौत।

वीआईपी के पास हैं ये सीटें

गौड़ाबौराम, अलीनगर, बोचहा (एससी) और साहेबगंज।

कांग्रेस के पास हैं ये सीटें

मुजफ्फरपुर, महाराजगंज, राजापाकर (एससी), खगड़िया, जमालपुर, बिक्रम, बक्सर और राजपुर (एससी)।

आरजेडी के पास हैं ये सीटें

सिंघेश्वर (एससी), हथुआ, मधेपुरा, सिमरी बख्तियारपुर, दरभंगा (ग्रामीण), गायघाट, कुढ़नी, मीनापुर, कांटी, बैकुंठपुर, सीवान, रघुनाथपुर, बड़हरिया, एकमा, बनियापुर, मढ़ौरा, गड़खा (एससी), परसा, सोनपुर, महुआ, राघोपुर, महनार, चेरिया बरियारपुर, साहेबपुर कमाल, अलौली (एससी), सूर्यगढ़ा, शेखपुरा, इस्लामपुर, मोकामा, बख्तियारपुर, फतुहा, दानापुर, मनेर, मसौढ़ी (एससी), संदेश, जगदीशपुर, ब्रहमपुर, शाहपुर, समस्तीपुर, ऊजियारपुर, मोरव और हसनपुर।

माले के पास हैं ये सीटें

जीरादेई, दरौली, फुलवारी (एससी), पालीगंज, अगियांव (एससी), तरारी और डुमरांव ।

भाकपा के पास हैं ये सीटें

तेघड़ा और बखरी।

माकपा के पास हैं ये सीटें

मांझी और विभूतिपुर।

लोजपा के पास हैं ये सीट

मटिहानी

आचार संहिता में खेल प्रतियोगिता का आयोजन, बच्चों के टी-शर्ट पर नीतीश कुमार की तस्वीर से मचा बवाल

एजेंसी। कैमूर

कैमूर के भभुआ स्थित जगजीवन मैदान में आयोजित खेल प्रतियोगिता में कुछ बच्चे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तस्वीर लगी टी-शर्ट पहनकर पहुँचे थे। चुनाव की घोषणा के साथ ही बिहार में लगे आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को देखते हुए जिला प्रशासन ने तत्काल बच्चों से टी-शर्ट उतरवाया। अब आचार संहिता के उल्लंघन पर सवाल उठ रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तारीखों की घोषणा के बाद से ही पूरे राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू है। इसके बावजूद कैमूर जिले के भभुआ स्थित जगजीवन स्टेडियम में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले भर के विभिन्न स्कूलों के कक्षा 6 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन कैमूर जिला पदाधिकारी सुनील कुमार एवं भभुआ एसडीएम ने संयुक्त रूप से किया। यह खेलकूद प्रतियोगिता 8 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक आयोजित की गई है। लेकिन इस दौरान एक ऐसा मामला सामने आया जिसने प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। दरअसल, कुछ बच्चे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की फोटो छपी टी-शर्ट पहनकर जगजीवन मैदान में पहुंचे हुए थे। जब मीडिया के कैमरे की नजर गई तो बच्चों की तस्वीरें कैद हो गयी। जिसके बाद प्रशासन हरकत में आ गया और आनन-फानन में उन बच्चों को टी-शर्ट बदलने का निर्देश दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब पूरे राज्य में आचार संहिता लागू है, तब ऐसे टीशर्ट पहनने की अनुमति कैसे दी गई? यह सीधे तौर पर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन माना जा रहा है। जिलाधिकारी और एसडीएम की मौजूदगी में यह घटना होना प्रशासनिक चूक भी मानी जा रही है। वहीं, शारीरिक शिक्षा विभाग के उपाधीक्षक ओम प्रकाश कुमार ने सफाई देते हुए कहा कि "जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग के बच्चे हिस्सा ले रहे हैं। किसी भी बच्चे को मुख्यमंत्री की तस्वीर वाला टीशर्ट पहनने की अनुमति नहीं थी। कुछ स्कूल के बच्चे गलती से वैसा टीशर्ट पहनकर आ गए थे, जिसे तुरंत हटवा दिया गया। हालांकि, सवाल यह है कि जब आचार संहिता लागू है तो ऐसी चूक कैसे हुई और इसके लिए जिम्मेदार कौन है ? राजनीतिक प्रतीकों और तस्वीरों से जुड़े ऐसे मामलों में निर्वाचन आयोग सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दे चुका है। ऐसे में यह मामला अब चर्चा का विषय बन गया है कि क्या यह प्रशासनिक गलती थी या जानबूझकर हुआ आचार संहिता का उल्लंघन।

मुजफ्फरपुर में दर्दनाक सड़क हादसा, पिता-पुत्र की मौत, अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को रौंदा

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले के गायघाट प्रखंड के बेनीबाद थाना क्षेत्र में देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में पिता और पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा एनएच-27 पर पिरौंधा गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार पिता-पुत्र को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान मो. हुसैन (35 वर्ष) और उनके बेटे मो. रेहान (13 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों बेनीबाद से अपने घर लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें रौंद दिया और चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुजफ्फरपुर

मेडिकल कॉलेज भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतक मो. हुसैन की बेनीबाद में टेलरिंग की दुकान थी। वह देर रात दुकान बंद कर घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक दरभंगा जिले के रहने वाले थे और कई वर्षों से मुजफ्फरपुर के बेनीबाद थाना क्षेत्र में रह रहे थे। इस पूरे मामले पर बेनीबाद थाना प्रभारी साकेत सार्दुल ने बताया कि देर रात एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मारी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अज्ञात वाहन की पहचान की जा रही है और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। मृतक आपस में पिता और पुत्र थे।

एसयूबी की बड़ी कार्रवाई विद्युत कार्यपालक अभियंता के ठिकानों पर छापेमारी, करोड़ों की संपत्ति की जांच

एजेंसी। दरभंगा

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही पूरे प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। एक ओर जहां सभी राजनीतिक दल उम्मीदवारों के चयन और प्रत्याशियों की घोषणा में व्यस्त हैं, वहीं दूसरी ओर राज्य की विशेष निगरानी इकाई लगातार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई में जुटी हुई है। इसी क्रम में बुधवार को एसवीयू ने एक बड़ी छापेमारी अभियान चलाया है। मिली जानकारी के अनुसार, दरभंगा जिले के विद्युत कार्यपालक अभियंता प्रणव कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति (ऊ्रस्त्र१ड्ढस्त्रड्ढ१३ड्ढल्लं३ी अ२२ी३२) के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रणव कुमार इस

समय दरभंगा में कार्यपालक अभियंता के पद पर तैनात हैं और साथ ही भागलपुर व मुजफ्फरपुर जिलों का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं। एसवीयू ने उनके खिलाफ पीसी एक्ट, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(1)(बी), 13(2) और धारा 12 के तहत कांड संख्या 22/2025 दर्ज किया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि अभियुक्त ने अपनी सेवा अवधि के दौरान विभिन्न पदों पर रहते हुए अवैध रूप से लगभग 1,59,52,032 (एक करोड़ उनसठ लाख बावन हजार बत्तीस रुपये) की नाजायज संपत्ति अर्जित की है, जो उनके ज्ञात वैध आय स्त्रोतों से कहीं अधिक है। एसवीयू की प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि अभियुक्त द्वारा यह संपत्ति अवैध कमाई, अनुचित लाभ और दफ्तर में अपने पद का दुरुपयोग कर अर्जित की गई है। एजेंसी का यह भी कहना है कि अभियुक्त से इस संपत्ति के स्त्रोत के संबंध में संतोषजनक स्पष्टीकरण मिलने की संभावना नहीं है। बुधवार सुबह विशेष न्यायाधीश, निगरानी, पटना के आदेश पर तलाशी वारंट जारी किया गया, जिसके बाद एसवीयू की कई टीमें एक साथ दरभंगा, भागलपुर और पटना में अभियुक्त के कार्यालयों व आवासीय परिसरों पर छापेमारी कर रही हैं। इस दौरान एजेंसी को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, संपत्ति के कागजात, बैंक लेनदेन की जानकारी और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस मिलने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एसवीयू की टीम ने प्रणव कुमार के आवास से कई संपत्ति संबंधित फाइलें, जमीन के कागजात, बैंक पासबुक्स और डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं। फिलहाल सभी दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि संपत्ति किन माध्यमों से अर्जित की गई और इसमें किन अन्य लोगों की भूमिका रही। एसवीयू के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई भ्रष्टाचार मुक्त शासन की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है।

सोनपुर मेले की तारीख में बड़ा बदलाव

9 नवंबर से शुरू होगा एशिया का सबसे बड़ा पशु समागम

एजेंसी। सारण

बिहार के सारण जिले में लगने वाला सोनपुर मेला एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला माना जाता है और इस बार यह लोकप्रिय मेला कुछ दिनों की देरी से शुरू होगा। पहले 3 नवंबर को इसके उद्घाटन का प्लान था लेकिन विधानसभा चुनाव की वजह से तारीख बढ़ा दी गई है। अब यह मेला 9 नवंबर से शुरू होकर 10 दिसंबर तक चलेगा। जिलाधिकारी अमन समीर ने कहा है कि चुनाव और मेला दोनों ही बड़े आयोजन हैं ऐसे में प्रशासन पहले वोटिंग पर ही फोकस करेगा। वहीं, कार्तिक पूर्णिमा का स्नान 5 नवंबर को ही होगा तो दुकानदार उस अनुसार पहले से ही

सजावट शुरू कर देंगे। सोनपुर मेले का इतिहास बहुत ही पुराना और धार्मिक रहा है। इसके बारे में कथा है कि कभी यहां गंगा स्नान कर रहे एक हाथी पर घड़ियाल ने हमला कर दिया था। खुद को हारता देख हाथी ने मदद के लिए भगवान विष्णु को पुकारा, जिसके बाद वे प्रकट हुए और हाथी को बचाते हुए उन्होंने घड़ियाल का वध कर दिया। तब से हर साल कार्तिक पूर्णिमा पर हाथी, घोड़े, ऊंट, गाय, भैंस, तोते, कबूतर जैसे पशु-पक्षियों का बाजार यहां सजता है। पहले यहां हाथियों की खरीद-बिक्री भी होती थी लेकिन अब वन्यजीव कानून के तहत वो बंद है। उसके बावजूद लाखों लोग यहां दूर-दूर से आते हैं। गंगा-गंडक के संगम पर ये मेला हरिहर क्षेत्र की शान माना जाता है। इस बार चुनाव 6 नवंबर को हैं, ऐसे में मेला के आयोजन को टालना जरुरी भी था। इससे प्रशासन को मतदान पर पूरी तरह से ध्यान देने का मौका मिलेगा। उधर दुकानदार खुश हैं क्योंकि पहले से ही स्नान के बहाने वे दुकानें लगा लेंगे और 5 नवंबर से ही उनकी कमाई शुरू हो जाएगी। इस मेले में नाव दौड़, कुश्ती, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होते हैं। पर्यटन विभाग ने स्विस कॉटेज और कैंप लगाने का भी प्लान किया है ताकि पर्यटक आराम से रह सकें।

पटना में घूसखोर क्लर्क गिरफ्तार, निगरानी की टीम ने 20 हजार कैश लेते रंगेहाथ दबोचा

एजेंसी। पटना

पटना में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने भवन निर्माण विभाग में तैनात डाटा एंट्री ऑपरेटर सह क्लर्क मनोज कुमार को 20 हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। रिटायर्ड इंजीनियर की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई।पटना में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक डाटा एंट्री ऑपरेटर सह क्लर्क मनोज कुमार को 20 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मनोज कुमार सचिवालय स्थित भवन निर्माण विभाग विश्वेसरैया के पास कोषागार भवन कक्ष में कार्यरत था।

रिटायर्ड इंजीनियर योधन चौधरी ने विजिलेंस में शिकायत दर्ज कराई थी कि मनोज ने सेवानिवृत का लाभ देने के नाम पर रिश्वत की मांग की थी। इसके बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने कार्रवाई करते हुए मनोज को 20हजार कैश लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। निगरानी अन्वेशन ब्यूरो के डीजे जितेंद्र सिंह गंगवार ने आम लोगों से अपील की है कि वे भ्रष्टाचार के खिलाफ इस मुहिम में शामिल हों और ऐसी शिकायतों को लेकर निगरानी के कार्यालय पहुंचें। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने इस साल अब तक बिहार में 88 मामले दर्ज किए हैं, जो विगत सालों की अपेक्षा एक बड़ी कार्रवाई है। इन मामलों में 82 अभियुक्तों की गिरफ्तार और लगभग 28 लाख 18 हजार रुपये की बरामदगी की गई है।

सुभाषितम्

सुविधा और सम्मान दूसरों को देना चाहिए, लेने की कामना नहीं रखनी चाहिए। - अज्ञात

2 घंटे की सलाह के 11 करोड़ फीस या ब्लैकमेलिंग?

बिहार की राजनीति में भ्रष्टाचार कोई नई कहानी नहीं है। बस फर्क यह है कि इस बार की कहानी में प्रशांत किशोर उर्फ पीके केंद्र में हैं। कभी देश के सबसे ताकतवर नेताओं और सियासी पार्टी की चुनावी रणनीति बनाने वाले पीके अब खुद सवालों के घेरे में आ गए हैं। भारतीय राजनीति में प्रशांत किशोर एक ऐसे शख्स हैं जो 2014 में नरेंद्र मोदी को कुर्सी में बिठाने का दावा करते हैं। उसके बाद उन्होंने कई अन्य राजनीतिक दलों को सलाह देने और उन्हें चुनाव जिताने का दावा किया। एक समय था जब प्रशांत किशोर की एक अच्छे रणनीतिकार के रूप में पहचान होती थी। तब प्रशांत किशोर मीडिया के खिलाफ खडो हो जाते थे, लेकिन अब प्रशांत किशोर खुद मीडिया के निशाने में आ गए हैं। वजह है उनका स्वीकारोक्ति वाला बयान, जिसमे उन्होंने नवयुग कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा उन्हें महज दो घंटे की सलाह के लिए 11 करोड़ रुपये दिए जाने की बात कही है। सवाल उठना लाजमी है, यह रकम वास्तव में सलाह शुल्क थी या फिर चुनावी चंदे के नाम पर एक छिपा हुआ सौदा था। इलेक्टोरल बॉड के खुलासे के बाद इस तरह की धारणा आमजन के बीच बनने लगी है। नवयुग कंस्ट्रक्शन कोई साधारण कंपनी नहीं है। इसके खाते में पुल गिरने और सुरंग ध्वस्त होने जैसी कई गंभीर घटनाएँ दर्ज हैं। बिहार में बख्तियारपुर-ताजपुर गंगा महासेतु का हिस्सा ढह जाना, इसका ताजा उदाहरण है। इसके अलावा इस कंपनी को कई राज्यों में बड़े-बड़े ठेके राजनीतिक कृपा से मिले हुए हैं और इस कंपनी ने करोड़ों रुपए का चंदा भी दिया है। इसी कंपनी ने भाजपा को 55 करोड़ रुपये का चंदा इलेक्टोरल बॉड के माध्यम से दे चुकी है। यानी सवाल केवल पीके की फीस का नहीं, बल्कि राजनीति, ठेकेदारी और चंदे की उस तिकड़ी का है, जिसने लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ों मैं मट्ठा डालने का काम किया है। विडंबना यह है कि पीके खुद को भ्रष्टाचार विरोधी योद्धा के रूप में पेश कर रहे हैं। रोजाना किसी न किसी नेता की फाइल खोलते हैं। उनके ऊपर करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के सप्रमाण आरोप लगाते हैं। एनडीए गठबंधन और नीतीश की सरकार में शामिल मंत्रियों के खिलाफ उन्होंने मोर्चा खोल दिया है। प्रशांत किशोर भ्रष्ट नेताओं को जनता की अदालत में कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। अब प्रशांत किशोर उर्फ पीके की पारदर्शिता पर उंगली उठी है, तो जवाब में धमकी और आक्रामकता दिखा रहे हैं। यह दोहरा चेहरा उनकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रहा है। सवाल यह है, कि क्या प्रशांत किशोर वाकई जन स्वराज की लड़ाई लड़ रहे हैं, या फिर भ्रष्टाचार के नाम पर नए किस्म की ब्लैकमेलिंग की राजनीति कर रहे हैं? यदि उनके पास सचमुच मे नेताओं की भ्रष्टाचार संबंधी फाइलें और प्रमाण हैं तो उन्हें वह एक साथ सार्वजनिक क्यों नहीं कर देते? हर रोज एक-एक खुलासा कर क्या माहौल बनाना चाहते हैं। क्या वह जनता के हित में इस तरह के खुलासे कर रहे हैं, या सिर्फ राजनीतिक दबाव बनाने का खेल खेल रहे हैं? बिहार का युवा महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहा है। नीतीश सरकार भी अपनी छवि को लेकर निशाने पर है। ऐसी स्थिति में बिहार की राजनीति में जो रिक्तता बनी है उसको भरने के लिए प्रशांत किशोर इस तरह की राजनीति कर अपनी छवि को चमकाना चाहते हैं। वे युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं। बिहार की जनता अब जागरूक है। वह समझती है, भ्रष्टाचार के खिलाफ असली जंग वही है, जो पारदर्शी, निष्पक्ष और बिना किसी सौदेबाजी के लड़ी जाए। अगर पीके इस मकड़जाल से खुद को अलग नहीं कर पाए तो ह्लबिहार के लड़के की ताकत का नारा उनकी विश्वसनीयता की हार का कारण बन सकता है। पिछले एक दशक में प्रशांत किशोर ने हर राजनीतिक दल के घाट-घाट का पानी पी लिया है। वह राजनीति में किस तरह की गंदगी है इसको भी जान गए हैं। जनता को किस तरह से सपने दिखाकर आकर्षित किया जा सकता है, इसका उन्हें बहुत अच्छा ज्ञान है। लेकिन समय के साथ सारी चीज बदल जाती हैं। पिछले 10 साल में गंगा जी में बहुत सारा पानी बह गया है।

चिंतन-मनन

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदर्शन किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा। जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आासन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब है और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदर्शक है। अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है।

जरूरी है राष्ट्र निमार्ता के रूप में शिक्षकों का सम्मान

- श्वेता गोयल

एक ओर जहां भारत में द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर 5 सितम्बर को ह्यशिक्षक दिवसह्ल मनाया जाता है, वहीं दुनिया के अनेक देश 5 अक्तूबर को ह्यविश्व शिक्षक दिवसह्ल मनाते हैं और इस अवसर पर शिक्षकों के सम्मान में दुनियाभर के देशों में तरह-तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल किसी भी देश के विकास की कल्पना शिक्षा के बिना बेमानी ही है, इसीलिए दुनियाभर के शिक्षकों के महत्व और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए ही विश्व शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस मनाने का मूल उद्देश्य विश्वभर में शिक्षण और शिक्षकों के मूलभूत मुद्दों पर चर्चा करना है। वर्ष 1960 के आसपास करीब सभी देशों में शिक्षकों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता था, जिसके लिए 5 अक्तूबर 1966 को ह्यटीचिंग इन फ्रीडम संधिह्ल को मूर्त रूप दिया गया। इसमें दुनियाभर के शिक्षकों की स्थिति को सुधारने और उन्हें जागरूक करने के लिए एक समझौता पारित किया गया। दरअसल 5 अक्तूबर 1966 को पेरिस में एक कांफ्रैंस का आयोजन किया गया था, जिसमें शिक्षकों के अधिकार और जिम्मेदारी सहित उनसे संबंधित कई मुद्दों पर यूनेस्को तथा अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की सिफारिशों को यूनेस्को द्वारा अपनाया गया था। यूनेस्को और आईएलओ की उस बैठक में शिक्षकों के अधिकारों, जिम्मेदारियों, रोजगार और शिक्षा के लिए दिशा-निर्देश बनाने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसके बाद शिक्षक दिवस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने के लिए 1994 में 100 देशों के समर्थन के साथ संयुक्त राष्ट्र में यूनेस्को की इन सिफारिशों को पारित कर दिया गया। उसी के बाद 5 अक्तूबर 1994 से विश्व शिक्षक दिवस की शुरूआत हुई और तभी से प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को इसे विश्व शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष पूरी दुनिया 31वां विश्व शिक्षक दिवस मना रही है।

यूनेस्को द्वारा विश्व शिक्षक दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक थीम निर्धारित की जाती है और विश्व शिक्षक दिवस 2025 का आधिकारिक विषय है ह्यशिक्षण को एक सहयोगात्मक पेशे के रूप में पुनः स्थापित करनाह्ल। यूनेस्को का मानना है कि पूरी दुनिया को इस समय वैश्विक स्तर पर शिक्षकों की अभूतपूर्व कमी का सामना करना पड़ रहा है, जो उनकी कामकाजी परिस्थितियों और स्थिति में गिरावट के कारण और भी गंभीर हो गई है। 2022 में विश्व शिक्षक दिवस ह्यशिक्षा का परिवर्तन शिक्षकों से शुरू होता हैह्ल थीम के साथ मनाया गया था। दरअसल वैसे तो व्यक्ति जीवनभर सीखता रहता है लेकिन शिक्षक के बिना सही ज्ञान नहीं मिलता, इसीलिए शिक्षक दिवस का विशेष महत्व होता है। 5 अक्तूबर के दिन विश्वभर में 100 से भी ज्यादा देशों में विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर तरह-तरह के आयोजन किए जाते हैं। प्रत्येक देश में इस दिन का अपने-अपने तरीके से स्वागत किया जाता है। कई देशों में तो इस दिन सार्वजनिक अवकाश भी रखा जाता है लेकिन वहां अवकाश के इन पलों को लोग अपने शिक्षकों के साथ किसी न किसी रूप में शेयर करते हैं। सही मायनों में विश्व शिक्षक दिवस महज सार्वजनिक अवकाश नहीं बल्कि एक वैश्विक उत्सव है।

हालांकि भारत सहित कुछ देश ऐसे भी हैं, जहां शिक्षक दिवस मनाए जाने की तारीख अलग-अलग हैं लेकिन सभी का उद्देश्य एक ही है। चीन में कन्फ्यूशियस के जन्मदिन के अवसर पर 27 अगस्त 1939 को शिक्षक दिवस मनाना आरंभ किया गया था किन्तु 1951 में यह घोषणा वापस ले ली गई और 1985 से 10 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा। रूस में 1994 से 5 अक्तूबर को ही शिक्षक दिवस मनाया जाता है किन्तु 1965 से 1994 तक अक्तूबर माह के पहले रविवार को यह दिवस मनाया जाता था। ईरान में 2 मई 1980 को प्रोफेसर अयातुल्लाह मोतेर्जा मोतेहारी की हत्या के बाद उसी दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। मलेशिया में शिक्षक दिवस को ह्यहरि गुरूह्ल के नाम से जाना जाता है, जो 16 मई को मनाया जाता है। वहां 16 मई 1956 को रजाक रिपोर्ट स्वीकृत हुई थी, जिसके आधार पर वहां शिक्षा प्रणाली का चयन हुआ था। उसी दिन को बाद में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। थाईलैंड में 1957 से ही प्रतिवर्ष 16 जनवरी को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। उस दिन वहां सभी स्कूलों में अवकाश रहता है। तुर्की में यह दिवस 24 नवम्बर को जबकि अमेरिका में 6 मई को मनाया जाता है और इस उपलक्ष्य में माह के पहले सप्ताह में पूरे सप्ताह तक आयोजन होते हैं। आस्ट्रेलिया में शिक्षक दिवस अक्तूबर महीने के अंतिम शुक्रवार को मनाया जाता है जबकि अर्जेन्टीना में इस दिवस का आयोजन डोमिनो फास्टिनो सामिएटो की मृत्यु के दिन 11 सितम्बर को किया जाता है। वियतनाम में 1958 में 20 नवम्बर को पहली बार यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय शिक्षकों के घोषणा पत्र के रूप में मनाया गया था और 1982 में इसे पुनः नामांकित कर वियतनामी शिक्षक दिवस के रूप में घोषित किया गया। पेरू में 6 जुलाई 1953 को वहां के राष्ट्रपति मैनुएल ए आड्रिया ने एक अध्यादेश पारित कर इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में घोषित किया था जबकि पाकिस्तान में यह अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के दिन 5 अक्तूबर को ही मनाया जाता है। चिली में 16 अक्तूबर को शिक्षकों के कॉलेज की स्थापना हुई थी, उसी उपलक्ष्य में वहां 16 अक्तूबर 1977 से इसी दिन शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा जबकि ब्राजील में शिक्षक दिवस का आयोजन 15 अक्तूबर को किया जाता है। दरअसल 15 अक्तूबर 1827 को वहां पेड्रो ने प्राथमिक शिक्षा को नियंत्रित किया था लेकिन अधिकारिक रूप में 15 अक्तूबर को ही शिक्षक दिवस मनाने के लिए मान्यता 1963 में मिली थी। बहरहाल, यूनेस्को का कहना है कि 5 अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस घोषित करने से दुनियाभर में सेवारत तमाम शिक्षकों को उनके द्वारा शिक्षा और विकास के क्षेत्र में दिए जा रहे अहम योगदान से लोगों को अवगत कराया जाता है, जिससे आम लोगों को शिक्षकों के बारे में और अधिक समझने का अवसर मिलता है।

भारत को पीओके की पुकार: पाकिस्तान के अत्याचारों से मुक्ति की मांग

- दिलीप कुमार पाठक

धर्म के नाम पर पाकिस्तान की स्थापना हुई थी, यही कारण है कि आजतक पाकिस्तान राजनीतिक रूप से स्थायी नहीं है, कोई न कोई बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम होता ही रहता है' बांग्लादेश, अफगानिस्तान के अलगाव के बाद पीओके यानि पाक अधिकृत कश्मीर में हमेशा पाकिस्तान से अलग होने की आवाजें बुलन्द होती रहती हैं' अभी कुछ महीनों पहले अपनी आवाज दुनिया तक पहुंचाने के लिए वहाँ के विद्रोही लोगों ने ट्रेन हाईजैक कर लिया था, खासी मुठभेड़ के बाद पाकिस्तान की सेना ने वहाँ की विरोधी आवाजों का दमन कर दिया था' पाकिस्तानी सेना ने अब तब पीओके पर दमनपूर्वक जबरन कब्जा कर रखा है, अन्यथा वहाँ कई बार भारत में विलय एवं जनमत संग्रह की मांगें उठती रहती हैं' अब देखना यह है कि पाकिस्तानी सेना कब तक इन आवाजों को दबा पाती है' अभी हाल फि लहाल पीओके में विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से बिजली संकट, महंगे बिल, इंटरनेट ब्लैकआउट, मानवाधिकार उल्लंघन, और आर्थिक उपेक्षा के खिलाफ शुरू हुआ है' जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी इन प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही है' पाकिस्तानी नेतृत्व पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जनता की बुनियादी जरूरतों को भी पूरा करने में फेल साबित हो रहा है' पाक अधिकृत कश्मीर में स्थानीय लोगों के प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तानी सेना का अत्याचार अब संयुक्त राष्ट्र तक तक पहुंच गया है' वैसे भी पीओके पर जुल्म इतना बढ़ गया है कि वहाँ की चीखें पूरी दुनिया में सुनाई देने लगी हैं, वो तो भारत सरकार की नीतियों की विफलता है अन्यथा अब तक पीओके भारत का हिस्सा बन चुका होता' देश जमीन के टुकड़ों पर नहीं बनता बल्कि देश में रहने वाले लोगों के कारण देश बनता है, जहां पाकिस्तान मानवीय मूल्यों को ताक पर रखकर जबरदस्ती लोगों पर राज करना चाहता है, हालांकि अब बड़ा कठिन सा प्रतीत हो रहा है' पीओके के राजनीति दलों ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से मांग की है कि वठ तुरंत यहां दखल दे और यहां की जनता को पाकिस्तानी सेना के अत्याचार से बचाए' 29 सितंबर से चल रहे नागरिकों के प्रदर्शन में अब तक 12 लोग मारे जा चुके हैं' एक जान की भी कीमत होती है, पाकिस्तान की सेना को इसका खामियाजा जरूर भुगतना होगा'

स्विटजरलैंड के जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद 60वें सेशन के दौरान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की पार्टी (यूनाइटेड कश्मीर पीपुल नेशनल पार्टी) ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान को कश्मीरियों को मारने, हमारी जमीन और हमारे संसाधनों पर कब्जा करने, हमारे लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं है' पीओके के स्थानीय नेता इस मुद्दे को पूरी दुनिया के सामने लेकर आए हैं, हालांकि उन्होंने कितना शोषण, दमन झेला है, इसकी कल्पना करना भी असहनीय पीड़ा को सहन करने जैसा है' यूनाइटेड कश्मीर पीपुल नेशनल पार्टी के प्रवक्ता सरदार नासिर अजीज खान ने जिनेवा में कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर में कई लोग गायब हो गए हैं, परंतु हाल ही में कश्मीर में जो हो रहा है, उससे लोग अपनी जान को लेकर चिंतित हैं क्योंकि 29 सितंबर से अब तक 12 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है' नासिर ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान यहां के लोगों पर क्रूर बल प्रयोग कर रहा है और प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलियां चला रहा है जिससे लोग मारे जा रहे हैं' सैकड़ों लोग जेल में हैं और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है' उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में इस अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के जमावड़े के माध्यम से हम आग्रह करते हैं कि संयुक्त राष्ट्र उन कश्मीरियों की जान बचाने के लिए हस्तक्षेप करे जो पाकिस्तानी कब्जे में रह रहे हैं' कश्मीरियों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने इस्लामाबाद प्रेस क्लब में इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस के एक्शन की निंदा की' पीओके पर पाक सेना को कश्मीरियों को मारने, जमीन और संसाधनों पर कब्जा करने और उन लोगों पर अत्याचार करने और उन्हें खत्म करने का कोई हक नहीं है' निरन्तर विरोधी आवाजें गूँज रही हैं' 2 अक्टूबर 2025 पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी के सदस्य इस्लामाबाद प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे इस दौरान पुलिस प्रेस क्लब में घुस गई, पुलिस ने प्रदर्शन बल पूर्वक कुचलने के लिए क्लब के अंदर घुसकर पत्रकारों और स्टाफ पर लाठीचार्ज किया, कैफेटेरिया को तोड़ा-फोड़ा, कैमरे और मोबाइल फोन तोड़े और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया' वीडियो फुटेज में पुलिस को पत्रकारों को घसीटते और पीटते हुए दिखाया गया है' यह घटना पीओके में चल रहे पांचवें दिन के विरोध प्रदर्शनों के बीच हुई, जहां बाजार बंद हैं और इंटरनेट कटा हुआ है' इस मुद्दे पर भारत को दखल देते हुए पाकिस्तान को कड़ा संदेश देना चाहिए कि पीओके पर जुल्म खत्म हो, भारत सरकार को बांग्लादेश की तरह इसका हल निकालना होगा, पूरी दुनिया पीओके की स्थिति से वाकिफ है, हालांकि यूएनओ कुछ नहीं कर पाएगा, अब तो भारत को ही इसका हल निकालना होगा' पीओके की जनता भारत के साथ विलय चाहती है' पाकिस्तान को सबक सिखाने का भरपूर मौका है, जो भारत को गंवाना नहीं चाहिए'

विदेश में देश की छवि खराब करना उनकी आदत

- कांतिलाल मांडोत

कांग्रेस सांसद और कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कोलम्बिया के ईआईए विश्वविद्यालय के एक संवाद कार्यक्रम में कहा कि भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा लोकतंत्र पर हमला है।भारतीय सरंचना में कमी बताते हुए कहा कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला हो रहा है।राहुल देश मे किसी भी राज्य के चुनाव के पूर्व ओछी राजनीति करने के लिए एवं भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला करने विदेश जाते है।भारत मे उनकी कोई नही सुनता है।इसलिए हरबार विदेश में भारत की बुराई या सतारूढ़ सरकार की आलोचना करते है।भारत दुनिया मे सबसे बड़ा लोकतंत्र है।राहुल गांधी इतने ही नासमझ तो नही होने चाहिए, जोकि अपने देश की बुराई विदेश में जाकर करते है।भारत की विदेश नीति दुनिया मे सबसे अच्छी है।भारत के दुनिया के कई देशों के साथ द्विपक्षीय सम्बब्ध है।भारत की दुनिया जयकारा लगाती है।लेकिन भारत की आलोचना कर सतारूढ़ सरकार का कोई नुकसान नही कर रहे है,बल्कि अपनी ही पार्टी कांग्रेस के लिए नुकसानदेह साबित हो रहे है।विदेश में भारत को बदनाम करने औरभारत की छवि को घुमिल करने का कार्य कर रहे है।कांग्रेस की सोची समझी साजिश के तहत सतारुढ़ पार्टी को हटाने के लिए किया जा रहा षडयंत्र कांग्रेस के लिए भारी पड़ सकता है।राहुल गांधी को यह सब करने के लिए मजा आता है।विदेश में राहुल ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाया।राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर बोस्टन में हमला बोला और चुनाव आयोग को घेरते हुये उन्होंने कम्प्रोमाइजड बताया।राहुल गांधी कांग्रेस के शायद पहले नेता है,जिन्होंने विदेश में सतारूढ़ सरकार पर कई बार हमलावर हुए है।कांग्रेस नेता राहुल जानबूझकर भाजपा को बदनाम कर रहे है।क्योकि भारत मे उनके आरोप कोई बड़ा परिवर्तन नही करता है।इसलिए विदेश में जाकर छात्र छात्राओं के समक्ष कटुता उजागर करते है।भाजपा ने विदेश यात्रा पर हमला बोलते हुए भाजपा ने भारत बदनाम यात्रा कहा है।कांग्रेस अपनी नाकामयाबी का ठीकरा भाजपा पर फोड़ रही है।कांग्रेस के लिए देश मे कई अवसर आए और चले गए, लेकिन कांग्रेस उसी पुराने ढर्रे पर चल रही है।2024 का चुनाव होने के बाद चिंताग्रस्त कांग्रेस ने राहुल को विदेशी यात्रा के लिए रवाना किया।पिछले वर्ष अमेरिका के प्रेस क्लब में राहुल ने भारतीय लोकतंत्र पर बड़ा हमला बोला और कहा कि भारत में पिछले दस सालों में ब्रोकन हुआ था यानी टूटा है।अब वह लड़ रहा है।दस सालों के बाद कांग्रेस को लोकसभा में विपक्ष का पद प्राप्त हुआ है।क्योकि कांग्रेस 99 सीटे जितने के बाद कांग्रेस ने उन्हें विपक्ष को घेरने के लिए राहुल को अध्यक्ष का पद दिया गया।जवाहरलाल नेहरू से राजीव गांधी तक एक ही पिक पर कांग्रेस कार्य कर रही है।कांग्रेस की नीतियां चुनाव में प्रत्याशियों को पीछे करने के लिए मजबूर करती है।राहुल ने यह सवाल कहकर उनकी और कांग्रेस की मूल भावना को ही उजागर कर दिया था।उन्होंने कहा कि 2014 से 2019में चुनाव हुआ उसमे मतदाताओ ने वोट नही डाला था।यह राहुल की भावना ही दशार्ती है।कांग्रेस विपक्षी दल है।सरकार ने सवाल करने का पूरा हक है।लेकिन कोई भी मुद्दा तथ्यात्मक होना चाहिए।बेबुनियाद बयानबाजी से कांग्रेस को ही नुकसान होता दिखाई दे रहा है।

आज का राशिफल

मेष जातकों के लिए दिन प्रतिस्पर्धात्मक रहने वाला है। अटके हुए काम पूरे होने से मन में संतोष रहेगा।

वृषभ दिन पारिवारिक सुख लेकर आएगा। घर का माहौल अच्छा रहने से मनोबल बढ़ेगा।

मिथुन संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। व्यापार में अचानक बड़ा लाभ या नया कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है।

कर्क आज जातकों के लोगों के लिए ग्रहों की स्थिति बहुत फायदेमंद रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी इज्जत बढ़ेगी।

सिंह आज दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे और परोपकारी कार्यों में खर्च कर सकते हैं।

कन्या सेवा करने से पुण्य मिलेगा। व्यवसाय में आप नए विचारों को साकार करने में सफल होंगे।

तुला कार्यक्षेत्र में आपकी बातचीत करने की कला आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी।

वृश्चिक आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और रुका हुआ पैसा या प्रोजेक्ट पूरा होने से संतोष मिलेगा।

धनु आज खर्च घरेलू सुविधाओं पर बढ़ सकता है, जिससे बजट बिगड़ सकता है।

मकर आज कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलने से उत्साह बढ़ेगा। व्यवसाय में लाभ होगा।

कुंभ संसाधनों का समझदारी से इस्तेमाल करें, नहीं तो नुकसान हो सकता है।

मीन आज दिन सुखद रहेगा, जिससे मनोबल बढ़ेगा। व्यापार में लाभ की स्थिति बन रही है।

विशेष

असम में भाजपा और हेमंता को तगड़ा झटका

असम में अगले साल चुनाव होना है। उसके पहले असम में भाजपा को तगड़ा झटका लगा है। 40 सीटों के इस चुनाव में भाजपा को केवल 5 सीटें मिली हैं। कांग्रेस गठबंधन ने 40 में से 28 सीटों पर विजय प्राप्त कर ली है। महलारी और कांग्रेस के संयुक्त गठबंधन से भाजपा और यूपीएल गठबंधन को तगड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री हेमंत विश्वा शर्मा के लिए यह एक बड़ा झटका है। इस चुनाव में जिस तरह से वह कमजोर साबित हुए हैं। उसको देखते हुए यह कहा जाने लगा है। भाजपा कभी भी उनसे पल्ला झाड़ने में देर नहीं करेगी। इस बात की चर्चा असम में होने लगी है। राष्ट्रीय स्तर पर भी भाजपा को उनका बचाव करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। भाजपा ने ही उनके ऊपर करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। बाद में उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया।

केशव प्रसाद मौर्य का कद बढ़ा?

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को बिहार विधानसभा चुनाव का सह प्रभारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश भाजपा में तनातनी पिछले कई महीनो से चल रही है। इस नियुक्ति को केशव प्रसाद मौर्य की तरक्की के रूप में देखा जा रहा है। अमित शाह ने एक कार्यक्रम में उन्हें अपना प्रिय मित्र बताया था। जिस तरह से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आक्रामक मुद्रा में देखने को मिल रहे हैं। उसको देखते हुए यह कहा जा रहा है। जल्द ही उत्तर प्रदेश में कुछ बड़ा होने वाला है। केशव प्रसाद मौर्य की नियुक्ति को लेकर तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं।

कार्टून कोना

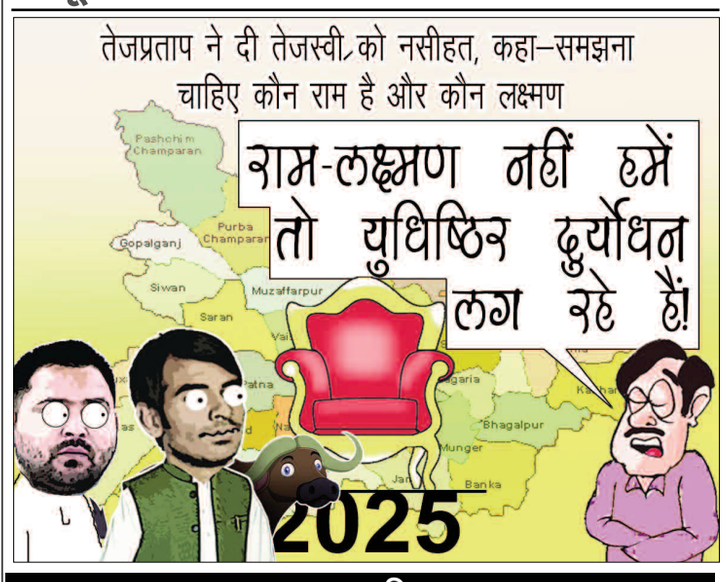

आज का इतिहास

1582: पोप के राज्यों में ग्रेगोरियन कैलेंडर लागू किया गया। 1676: ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत के सिक्के ढालने का अधिकार मिला। 1793: फ्रांस में ईसाई धर्म के पदों को समाप्त कर दिया गया। 1805: लार्ड कार्नवालिस का गाजीपुर में निधन हुआ। 1931: क्लाइड पेंगबार्न और ह्यूग हर्नडान ने जापान से वाशिंगटन तक की दूरी 41 घंटे में पूरी की। 1964: काहिरा में गुट निरपेक्ष देशों के सम्मेलन में कांगो के मोइसे शोम्बे को भाग लेने की अनुमति नहीं दी गयी। 1971: पुर्तगाल गणराज्य बना। 1978: अमरीका ने नामीबिया में अश्वेतों को सत्ता हस्तांतरण के लिए विदेश मंत्री साइरस वांस को भेजने का फैसला किया। 1981: फडीनांड प्रथम ने बल्गारिया को स्वतंत्र घोषित किया। 1983: पोलैंड के श्रमिक नेता लेक वालेशां को नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा की गयी।

दैनिक पंचांग

5 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.50 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृश्चिक	09.05 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.21 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.26 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.12 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	16.45 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.16 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.56 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.54 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		कर्क	00.07 बजे से
		सिंह	02.23 बजे से
		कन्या	04.35 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 278 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 15.04 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 08.01 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 16.34 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 15.04 बजे तदनन्तर गर 01.48 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 13.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 04° 45'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872488
जूलियन दिन 2460953.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबी उस्सानी
तारीख 12

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ jagrutidaar.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

धनबाद में होटल से 9 साइबर ठग गिरफ्तार

धनबाद, एजेंसी। धनबाद पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। बैंकमोड़ थाना क्षेत्र स्थित द होटल कैसल में छापेमारी कर नौ साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से 5 लाख 80 हजार 700 रुपये नकद, 17 मोबाइल फोन, 23 अलग-अलग बैंकों के एटीएम कार्ड, एक एप्पल आईपैड और एक डेल लैपटॉप जब्त किया है। यह कार्रवाई वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस अधीक्षक (नगर) के नेतृत्व में गठित टीम ने सोमवार को होटल के एक कमरे में छापा मारा, जहां नौ युवक लैपटॉप और मोबाइल के साथ संदिग्ध अवस्था में पकड़े गए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ठगी से प्राप्त रकम को यूएसडीटी क्रिप्टो करेंसी में बदलकर हवाला नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न ठिकानों पर भेजा जाता था। हवाला के जरिए यह पैसा अलग-अलग डमी खातों में ट्रांसफर कर स्थानीय एजेंटों की मदद से नकद के रूप में निकाला जाता था। पुलिस अब इन ठिकानों और एजेंटों की पहचान में जुटी है। बरामद मोबाइल और लैपटॉप की जांच में कई ऐसे बैंक खातों और एटीएम कार्डों के फोटो मिले हैं, जिन पर पहले से एनसीआरपी और जेएमआईएस पोर्टल पर साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों में धनबाद, बोकारो और पश्चिम बंगाल के निवासी शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फॉरेंसिक जांच कर हवाला नेटवर्क और ठगी की पूरी श्रृंखला का खुलासा किया जाएगा। गिरफ्तार अभियुक्तों में कुमार विशाल सिंह (पाथलडीह, धनबाद), अर्नव कुमार रॉय (हावड़ा, पश्चिम बंगाल), सुमित कुमार (पाथलडीह), रिजवान खान (चास, बोकारो), राहुल कुमार रॉय (स्वारडीह, धनबाद), विशाल कुमार (नोनिया पट्टी, धनबाद), मोहम्मद आसिफ (सुल्तान नगर, बोकारो), मोहम्मद मोबस्सिर आलम (कमरमकदुमी रोड, धनबाद) और राजकुमार सिंह (कैलाश नगर, बोकारो) शामिल हैं।

जमशेदपुर फायरिंग मामले में आरोपी गिरफ्तार

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर पुलिस ने 5 अक्टूबर को जिला बदर अपराधी उमेश कुमार पांडेय उर्फ गुड्डू पांडेय के घर हुई फायरिंग के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दीपक कुमार चौधरी उर्फ टेका चौधरी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से घटना में इस्तेमाल किया गया 7.65 एमएम का देशी पिस्तौल भी बरामद किया है। एसएसपी पीयूष पांडे ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टेका चौधरी का भी आपराधिक इतिहास रहा है और वह कई मामलों में जेल जा चुका है। टेका चौधरी पर एमजीएम थाना कांड संख्या 96/2023, मानगो थाना कांड संख्या 403/2021 और जरमुण्डी थाना (दुमका) कांड संख्या 54/2023 जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। इन मामलों में हत्या, रंगदारी और आर्म्स एक्ट की धाराएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गुड्डू पांडेय के घर पर फायरिंग का मकसद उसे डराना-धमकाना और दहशत फैलाना था। गुड्डू पांडेय भी एक अपराधी है और वर्तमान में शहर से बाहर तड़ीपार है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

गढ़वा में बेटी और उसके नवजात की हत्या, लड़की के पिता ने शव दफन कर दिया था जमीन में

गढ़वा, एजेंसी। गढ़वा के मेराल थाना क्षेत्र के औरैया गांव में एक पिता ने अपनी नाबालिग बेटी और उसके नवजात बच्चे की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर जमीन में दफन दोनों शव को निकाल पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। दरअसल, लड़की के प्रेमी रुपन चौधरी ने मेराल थाना में लिखित आवेदन देकर प्रेमिका और उसके बच्चे को उसके परिजन द्वारा गायब किए जाने को लेकर आवेदन दिया था। इसके बाद पुलिस ने लड़की के पिता अनिल चौधरी को थाना लाकर कड़ाई से पूछताछ की। पुलिस द्वारा लगातार पूछताछ से अनिल चौधरी टूट गया और बेटी व उसके नवजात शिशु की हत्या के बाद शव जमीन के नीचे दफन करने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी ने पुलिस को बताया कि बेटी और उसके नवजात की हत्या कर शव को टेंपो से लेकर फुलवारी नदी के पास पहुंचा। यहां गड्ढा खोदकर शव दबा दिया। थाना प्रभारी बिष्णुकांत, एसआई दीपक कुमार ने मजिस्ट्रेट यशवंत नायक के साथ सोमवार की देर शाम औरैया गांव स्थित घटनास्थल पर पहुंचे। शव को जमीन के नीचे से बाहर निकलवा पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। अनिल चौधरी ने उसकी नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर विवाह करने का दबाव देने के आरोप में रुपन चौधरी को जेल भिजवा दिया था। रुपन एक सप्ताह पूर्व जेल से निकलकर अपने घर आया था इधर, अनिल की बेटी ने 2 अक्टूबर को एक बच्चे को जन्म दिया था। इसकी जानकारी उसके प्रेमी हो गई थी। उसे यह भी जानकारी मिली कि उसके बच्चे की हत्या करने की साजिश की जा रही है। इसकी जानकारी मिलते ही प्रेमी ने मेराल थाना को इस संबंध में लिखित आवेदन दिया था।

गिरिडीह में पारिवारिक विवाद में चले लाठी-डंडे: तिरंगा चौक पर दो पक्षों में मारपीट

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह शहर के व्यस्त तिरंगा चौक के समीप उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब पारिवारिक विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। यह झगड़ा ऑर्बिट होटल के पास हुआ। जिसमें दोनों ओर से लाठी-डंडे और पत्थर चलाए गए। घटना में कुल चार लोग घायल हुए हैं। एक पक्ष से नीरज रवानी, अजय कुमार और विजय रवानी घायल बताए जा रहे हैं, जबकि दूसरे पक्ष से सन्नी कुमार जख्मी हुआ है। सभी को गिरिडीह सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां गंभीर रूप से घायल नीरज का इलाज चल रहा है।

चार साल पुरानी शादी बनी विवाद की जड़ : सूत्रों के अनुसार, यह विवाद नीरज रवानी और उनकी पत्नी पूजा कुमारी के बीच चल रहे पारिवारिक मामले से जुड़ा है। नीरज की शादी चार वर्ष पहले गिरिडीह के धारियाडीह निवासी सन्नी रवानी की बहन पूजा से हुई थी। शुरूआती दो साल तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन बाद में पति-पत्नी के बीच कलह बढ़ने लगी।

मामला इतना बढ़ा कि पूजा कुमारी ने गिरिडीह न्यायालय में प्रताड़ना का केस दर्ज कराया था। इसी केस की तारीख पर मंगलवार को नीरज अपनी बहन चांदनी देवी और अन्य परिजनों के साथ कोर्ट आए थे। सुनवाई समाप्त होने के बाद जब वे लौट रहे थे, तभी विरोधी पक्ष ने उन पर हमला बोल दिया।

तिरंगा चौक के पास भिड़ंत, सड़क पर मचा हंगामा : आंखोंदेखी के मुताबिक, नीरज

और उसके परिजन जैसे ही ऑर्बिट होटल के पास पहुंचे, सन्नी रवानी, लल्लू, राजेश, राहुल समेत करीब 10 लोग पहले से घात लगाए बैठे थे। दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई और देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

हमले में नीरज रवानी गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि अजय और विजय को हल्की चोटें आईं। वहीं, दूसरे पक्ष का सन्नी कुमार भी चोटिल हुआ। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर घायलों को अस्पताल भेजा और पुलिस को सूचना दी।

दोनों पक्षों ने लगाए एक-दूसरे पर गंभीर आरोप : नीरज की बहन चांदनी देवी ने बताया कि यह पहली बार नहीं है, जब विरोधी पक्ष ने हमला किया हो। पिछले महीने भी कोर्ट आते समय उनके भाई पर हमला करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि नीरज की पत्नी ससुराल में नहीं रहना चाहती और मायके में रहकर विवाद को बढ़ा रही है।

वहीं, सन्नी कुमार की मां ने थाने में आवेदन देकर दावा किया कि उनकी बेटी पूजा को ससुराल पक्ष से लगातार प्रताड़ित किया जाता है। उन्होंने बताया कि कई बार बैठकों में समझौता करने की कोशिश की गई, लेकिन विवाद सुलझ नहीं पाया। पुलिस ने दोनों पक्षों के आवेदन लेकर जांच शुरू कर दी है।

सीट शेयरिंग पर झामुमो और राजद में बनी सहमति, जल्द होगी आधिकारिक घोषणा

रांची, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन के भीतर सीट बंटवारे पर मंथन तेज हो गया है। इसी क्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के बीच सोमवार को पटना में हुई अहम बैठक में सीट शेयरिंग को लेकर सहमति बन गई है।

झामुमो की ओर से बिहार में 12 विधानसभा सीटों पर दावा किया गया है। सूत्रों के अनुसार, राजद नेतृत्व ने झामुमो के प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख दिखाया है। हालांकि, सीटों की अंतिम संख्या पर अब तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। झामुमो की तरफ से मंत्री सुदिव्य कुमार सोरेन और झामुमो के केन्द्रीय महासचिव विनोद पाण्डेय बैठक में थे।

इंडिया गठबंधन की अगली बैठक में झामुमो की सीटों को औपचारिक रूप से स्वीकृति दी जाएगी। माना जा रहा है कि एक या दो दिनों में सीट बंटवारे की आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी। झामुमो की नजर विशेषकर उन सीमावर्ती विधानसभा क्षेत्रों पर है, जो झारखंड की सीमा से सटे हैं और जहां पार्टी की जमीनी पकड़ व संगठन मजबूत है। झामुमो के केन्द्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि पार्टी बिहार के 12 सीटों पर पूरी तैयारी के साथ उतरने जा रही है। उन्होंने कहा, ÷झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में हमारी गहरी पकड़ है। जनता का समर्थन हमारे साथ है, इसलिए झामुमो मजबूती से मैदान में उतरेगा।

वहीं प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि इंडिया गठबंधन की जल्द ही बैठक होगी, जिसमें सीट शेयरिंग पर अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ÷झारखंड की तरह बिहार में भी हम सब मिलकर मजबूती से चुनाव लड़ेंगे और एनडीए को मात देंगे।

दूसरी ओर, भाजपा नेता प्रदीप सिन्हा ने तंज कसते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर अंदरूनी मतभेद अभी भी बरकरार हैं। उन्होंने दावा किया कि ÷बिहार की जनता एनडीए के साथ है, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास का काम दिख रहा है। एनडीए की सरकार फिर से बनेगी।÷

गिरिडीह में मानसिक रूप से कमजोर युवती से दुष्कर्म

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र में एक मानसिक रूप से कमजोर युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस जांच में आरोपी भुनेश्वर प्रसाद यादव ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने बताया कि पहले युवती को महुआ शराब पिलाई, फिर जंगल में ले जाकर दुष्कर्म किया।

शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने खुद को निर्दोष बताया था, लेकिन दोबारा पूछताछ करने पर उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने मंगलवार सुबह घटनास्थल से पीड़िता की चप्पल बरामद की, जिसे उसने जमीन के नीचे छिपा दिया था।

क्राइम सीन रीक्रिएट किया

थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी युवती को बाइक से जंगल के अंदर तक ले गया था। घटनास्थल के पास बाइक के पहियों के निशान भी मिले हैं। पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल पर ले जाकर क्राइम सीन रीक्रिएट किया। आरोपी ने झलकडीहा के पास खुद भी

महुआ शराब पी थी और युवती को जबरन पिलाई थी।

युवती की मेडिकल जांच रिपोर्ट में भी दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी की निशानदेही पर घटनास्थल की बारीकी से जांच की। चपुआडीह पंचायत के एक गांव की मूक-बधिर युवती को आरोपी ने बहला-फुसलाकर जंगल ले जाकर दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी युवती को जंगल में छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस ने साक्ष्य संकलन पूरा करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

सारंडा वन क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

रांची, एजेंसी। सारंडा वन क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई होगी। इसके लिए राज्य के मुख्य सचिव दिल्ली पहुंच चुके हैं।

बीते 18 सितंबर की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने सारंडा को अभयारण्य घोषित न करने को अवमानना माना था और कहा था कि यदि आठ अक्टूबर तक अभयारण्य घोषित नहीं हुआ तो मुख्य सचिव के खिलाफअवमानना कार्यवाही शुरू होगी।

कोर्ट ने मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का भी निर्देश दिया था। इस आदेश के बाद झारखंड सरकार ने तेजी से कदम उठाए। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर के नेतृत्व में पांच मंत्रियों का समूह गठित किया गया। जो अध्ययन रिपोर्ट तैयार करेगी। मंत्रियों के समूह ने हाल ही में सारंडा क्षेत्र का दौरा कर स्थानीय लोगों से चर्चा की। संभावना है कि सरकार अब तक की कार्रवाइयों की रिपोर्ट शपथ पत्र के माध्यम से कोर्ट में प्रस्तुत करेगी। पिछली सुनवाई में कोर्ट को बताया गया कि झारखंड सरकार

मामले में टालमटोल कर रही है।

29 अप्रैल को वन सचिव अबु बकर सिद्दीकी के माध्यम से सरकार ने शपथपत्र दायर कर कहा था कि पीसीसीएफ;वन्य जीवद्ध ने 576 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को सेंचुरी घोषित करने का प्रस्ताव वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया ;डब्ल्यूआइआइद्ध को भेजा है।

कोर्ट ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर डब्ल्यूआइआइ की रिपोर्ट के दो महीने के भीतर सेंचुरी घोषित करने का आदेश दिया था। डब्ल्यूआइआइ ने 30 जून को अपनी सहमति वाली रिपोर्ट सौंप दीए लेकिन सरकार ने अभी तक सेंचुरी घोषित नहीं की।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार शाम दिल्ली प्रवास से रांची लौटे। दिल्ली में उन्होंने विधि विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ सारंडा वन्यजीव अभयारण्य से जुड़े संवेदनशील मामले पर गहन विचार.विमर्श किया। उनके साथ मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी मौजूद थे।

सुप्रीम कोर्ट ने सारंडा वन क्षेत्र को सेंचुरी घोषित नहीं करने पर झारखंड सरकार से जवाब तलब किया है।

टीईटी की अनिवार्यता के विरुद्ध शिक्षक संघों ने दिल्ली में बनाई रणनीति, सुप्रीम कोर्ट में दायर कीं पुनर्विचार याचिकाएं

रांची, एजेंसी। वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त प्राथमिक शिक्षकों के लिए भी शिक्षक पात्रता परीक्षा ;टेटद्ध उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से उत्पन्न होनेवाली परिस्थितियों पर चर्चा के लिए कई राज्यों के शिक्षक संघों के प्रतिनिधि दिल्ली में जुटे।

दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में हुई बैठक में विभिन्न शिक्षक संघों ने बैठक कर आगे की रणनीति तय की। बैठक में कहा गया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निश्शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने से पूर्व के शिक्षकों के टेट उत्तीर्ण नहीं करने पर सेवा और प्रोन्नति से वंचित होने के आदेश से झारखंड सहित पूरे देश के लाखों शिक्षक प्रभावित होंगे।

इस आदेश के विरुद्ध विभिन्न राज्यों के शिक्षक संगठनों द्वारा शीर्ष न्यायालय में पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गई हैं। कई राज्य सरकारों ने भी पुनर्विचार याचिका दायर की है। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने भी कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करने के साथ ही भारत सरकार से भी मांग की है कि केंद्र सरकार भी आरटीई एक्ट के नियमों के विपरीत पारित आदेश के खिलाफपुनर्विचार याचिका दायर करे। साथ ही एनसीटीई के रेगुलेशन में समुचित

संशोधन की कार्रवाई करे।

इस बैठक में झारखंडए उत्तर प्रदेशए छत्तीसगढ़ए मध्यप्रदेशए महाराष्ट्र और राजस्थान आदि के शिक्षक संघों का प्रतिनिधित्व रहा। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आल इंडिया शिक्षक महासंघ के बैनर तले नवंबर के तीसरे सप्ताह में दिल्ली में देश भर के शिक्षक लाखों की संख्या में जमा होकर सरकार से गुहार लगाएंगे कि न्यायादेश के दुष्प्रभाव से शिक्षकों को बचाने के लिए भारत सरकार आगे आए।

आंदोलन की तिथि की घोषणा जल्द ही की जाएगी। इस बैठक में अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनूप कुमार केशरीए महासचिव राम मूर्ति ठाकुरए कोषाध्यक्ष संतोष कुमारए दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडलीय अध्यक्ष अजय सिंहए जिला अध्यक्ष सलीम सहाय तिग्गा सम्मिलित हुए।

इधरए अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने मंगलवार को दिल्ली में प्रधानमंत्रीए केंद्रीय शिक्षा मंत्री और केंद्रीय शिक्षा सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा।

586 क्विंटल खाद्यान्न गबन मामले में पूर्व एजीएम सह पंचायत सेवक गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। झारखंड के लातेहार जिले में 586 क्विंटल खाद्यान्न गबन के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। बरवाडीह प्रखंड के पूर्व एजीएम और वर्तमान में लातेहार प्रखंड के तरवाडीह पंचायत के पंचायत सेवक सर्वेश सिंह को बरवाडीह पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने मंगलवार को लातेहार प्रखंड कार्यालय में छापेमारी कर सर्वेश सिंह को हिरासत में लिया। बरवाडीह थाना प्रभारी अनूप कुमार ने बताया कि सर्वेश सिंह के खिलाफ बरवाडीह थाना कांड संख्या 30/25, दिनांक 30 मई 2025 के तहत मामला दर्ज था। इसी सिलसिले में उनकी गिरफ्तारी की गई है।

उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर बरवाडीह के प्रभारी एमओ रामनाथ यादव ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। सर्वेश सिंह एक मार्च 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक एजीएम पद पर कार्यरत थे। इसी अवधि में एमडीएम, पीटीजी मद समेत विभिन्न मदों में कुल 586 क्विंटल खाद्यान्न की हेराफेरी का आरोप है। यह अनाज गरीबों को वितरण के लिए आवंटित किया गया था। गौरतलब है कि गबन के गंभीर मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद लातेहार बीडीओ मनोज तिवारी ने सर्वेश सिंह को दो पंचायतों की जिम्मेदारी सौंप दी थी, जिससे प्रशासनिक स्तर पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

बता दें कि सर्वेश सिंह पहले भी विवादों में घिरे रहे हैं। परसही पंचायत में पंचायत सेवक के रूप में पदस्थापना के दौरान उन पर महिला लाभुकों से घूस में मंगलसूत्र मांगने का गंभीर आरोप लगा था। इस मामले में पंचायत की मुखिया अनीता देवी ने प्रखंड कार्यालय में ही उनकी सरेआम चप्पलों से पिटाई कर दी थी। यह घटना उस समय पूरे जिले में चर्चा का विषय बनी थी।

डीआरडीए निदेशक अलका कुमारी को हजारीबाग ले जाया गया, कार्रवाई पर टिकी सबकी निगाहें

रांची, एजेंसी। चतरा जिले में सोमवार दोपहर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की विशेष टीम की कार्रवाई ने प्रशासनिक हलचल तेज कर दी। एसीबी की टीम ने ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) की निदेशक अलका कुमारी को उनके कार्यालय से अपने कब्जे में लेने के बाद देर शाम तक पूछताछ की। इसके बाद उन्हें पुलिस अभिरक्षा में उनके नगवां मोहल्ला स्थित आवास पर रखा गया। पूरी रात सुरक्षा घेरे में रहने के बाद मंगलवार अहले सुबह एसीबी की टीम उन्हें लेकर हजारीबाग रवाना हो गई।

सूत्रों के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई हजारीबाग के चर्चित खासमहल जमीन घोटाले से जुड़ी है। इस घोटाले के समय अलका कुमारी सदर अंचल अधिकारी के पद पर थीं। माना जा रहा है कि एसीबी टीम उन्हें आज पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश कर सकती है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, पूर्व में जेल में बंद निलंबित आईएएस विनय चौबे से संबंधित प्रकरण में भी निदेशक अलका कुमारी की कोर्ट में गवाही होनी है। कोर्ट में पेशी के बाद एसीबी

की ओर से उनके खिलाफ हुई गुप्त कार्रवाई और जांच का परदा उठने की संभावना है।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार दोपहर करीब तीन बजे, एसीबी एसपी आरिफ इकराम के नेतृत्व में टीम ने चतरा स्थित डीआरडीए कार्यालय पहुंचकर अलका कुमारी से पूछताछ की। बाद में टीम उन्हें उनके आवास लेकर पहुंची और वहां भी घंटों तक पूछताछ की गई। पूरी रात सदर थाना पुलिस की विशेष टीम ने उनके आवास की घेराबंदी कर रखी। मंगलवार की सुबह एसीबी अधिकारी उन्हें हजारीबाग एसीबी कार्यालय ले गए। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या एसीबी निदेशक अलका कुमारी को गिरफ्तार करेगी या फिर गवाही के बाद उन्हें मुक्त कर दिया जाएगा।

झारखंड आंदोलन से भी बड़े प्रोटेस्ट की जरूरत चंपाई सोरेन ने क्यों कही ऐसी बात

पोटका, एजेंसी। गंगाडीह में लक्ष्मी पूजा के दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन पहुंचे एवं माता के चरणों में माथा टेक कर क्षेत्र की सुख .शांति की कामना की अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि गंगाडीह के लक्खी चरण कुंडू के घर से अपने राजनीति जीवन की शुरुआत किए थे।

शुरुआती दिनों को याद करते हुए आंदोलनकारी लख्खी चरण कुंडू जो चंपई सोरेन के सीनियर रहे हैं। उनके आवास में बैठकर उन्हें याद करते हुए भाभुक हो उठे।

उन्होंने कहा कि यहीं से हमने अपनी राजनीति जीवन की शुरुआत की गांव.गांव पैदल यात्रा कर लोगों को जोड़ते रहे और अपने खून पसीने के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा को बनायाए उस समय कई आंदोलनकारी पार्टी को तैयार करने में लग रहे आज वह साथी नहीं है।

वही अपने शब्दों में चंपई सोरेन ने कहा कि अलग झारखंड आंदोलन की तैयारी लख्खी चरण कुंडू के घर से की और भूखे प्यासे संगठन को तैयार किया उस समय बाइक नहीं हुआ करता

था। हम सब पैदल ही पार्टी का संगठन तैयार किया पुराने दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा काफी तकलीफऔर मेहनत कर संगठन को तैयार किया एक.एक लोगों से संपर्क कर पार्टी को तैयार किया। आज की स्थिति में जिस पार्टी को मैंने तैयार किया उनके विचार बदल गएए हमें लगा कि भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता लेकर ही मैं न्याय दिला सकता हूं।

साथ ही उन्होंने कहा कि मैं बड़ा मजदूर आंदोलन खड़ा किया था। टाटा कंपनी तूरामडी माइंसए नरवा माइंस आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में हजारों मजदूरों को आंदोलन के माध्यम से स्थाई नौकरी दिलाने का काम किया। उन्होंने दुख जाहिर करते हुए कहा कि मैं एक पल राजनीति से संन्यास लेने की बात सोच रहा था मगर यदि मैं संन्यास ले लेता तो झारखंड में आदिवासियों की जमीन को दान पत्र के माध्यम से बड़े पैमाने पर ले लिया जा रहा है। मुझे लगा की झारखंड आंदोलन से एक बड़ा आंदोलन की आवश्यकता हैं। मैंने देखा कि भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसा विकल्प है जिसकी सदस्यता लेकर मैं एक आंदोलन कर आदिवासियों की जमीन को लूटने से बचा सकता हूं।

इसलिए मैंने भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता को ग्रहण किया। झामुमो के विचार अब बदल गए हैं। जिस पार्टी संगठन को मैं तैयार किया वहां मुझे हमेशा अपमानित करते रहते थे।

इसलिए मैंने झारखंड मुक्ति मोर्चा को छोड़ दिया मुझे आज दुख होता है कि जिस पार्टी को तैयार करने के लिए मैं पैदल चलकर खून पसीना एक कर भूखे प्यासे पार्टी को तैयार किया। उस पार्टी को छोड़ने में बड़ा दर्द महसूस हुआ।

मंटीनेशनल कंपनियों में ऐसे करें अप्लाई

बहुत बार लोगों को जब नौकरी की जरूरत होती है, तब उनके पास जॉब स्वीच करने के बहुत कम ऑप्शन होते हैं। इस आर्टिकल में जानें कुछ ऐसी कंपनियों के बारे में जहां आप कभी भी जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

नयी नौकरी ढूंढते वक्त बहुत से लोगों को सही ऑप्शन ना मिलने की समस्या का सामना करना पड़ता है। कंपनियों में निश्चित समय के लिए हायरिंग होती है, जिसके बाद बहुत से उम्मीदवार सही विकल्प की तलाश करने में परेशानी का सामना करते हैं। हालांकि, क्या आपको यह पता है कि कुछ कंपनियों में सालभर जॉब की वेकेंसी निकलती है? आइए जानते हैं इन कंपनियों के बारे में।

भारत में ढेर सारी ऐसा मंटीनेशनल कंपनी हैं, जहां हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग हो रही होती है। आपको नौकरी ढूंढने के लिए सबसे पहले मंटीनेशनल कंपनियों की लिस्ट तैयार करनी है। अब इन सभी कंपनियों के जॉब अप्लाई सेक्शन में जाएं और आवेदन दें। किसी भी एमएनसी में काम करने के लिए अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए। दरअसल ज्यादातर एमएनसी में इंटरव्यू से पहले एक लैंग्वेज टेस्ट लिया जाता है, जिसे क्लियर करना जरूरी होता है।

टाटा ग्रुप में करें अप्लाई

टाटा ग्रुप आज भारत का जाना-माना समूह है। टाटा ग्रुप के हाइरिंग पोर्टल पर भी आपको हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग होते हुए मिलगी। हालांकि, जॉब की लोकेशन भारत के अलग-अलग हिस्सों के लिए हो सकती है। टाटा ग्रुप में आवेदन देने के लिए आपको टाटा ग्रुप की वेबसाइट के करियर पेज पर अप्लाई करना है।

बड़ी कंपनियों को करें टारगेट

सेमसंग, हिटाची आदि जैसी फेमस कपंनियों में भी पूरे साल हाइरिंग चल रही होती है। पद से जुड़ी सारी जानकारी आपको पार्टल के करियर के सेक्शन में मिल जाएगी। करियर सेक्शन में जाकर आप इन पदों के लिए अपना रिज्यूमे और कवर लेटर भेज सकते हैं।

पेटीएम

अगर आप पेटीएम के जॉब सेक्शन में जाएंगे, तो हर वक्त 50 से ज्यादा पदों पर हाइरिंग की जानकारी प्राप्त होगी। आईटी से लेकर एचआर तक से जुड़े पदों पर आवेदन देने के लिए पेटीएम अच्छा ऑप्शन है।

अप्लाई करने के लिए 1 ट्रिक

बहुत बार हम अपना रिज्यूमे ठीक से नहीं बनाते और बिना कवर लेटर के ही जॉब के लिए अप्लाई कर देते हैं। कोशिश करें कि आप कवर लेटर के साथ ही आवेदन करें।

आशाजनक और बेहतर करियर का मार्ग प्रदान करता है वेटरनरी कोर्स

12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, बीएससी नर्सिंग बीएससी बायोटेक्नोलॉजी और वेटरनरी कोर्स किए जा सकते हैं।

वेटरनरी एक शाखा है, जो पशु-पक्षियों की बीमारियों की स्थिति और चोटों की रोकथाम, नियंत्रण और इलाज से संबंधित है। वेटरनरी कोर्स में पालतू और जंगली जानवरों की बीमारियों और उनके उपचार के बारे में बताया जाता है। पशु कल्याण के बढ़ते महत्व और पशु चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ, ये कोर्स एक आशाजनक और बेहतर करियर का मार्ग प्रदान करते हैं। इसके अलावा, पशु चिकित्सा कोर्स प्रैक्टिकल अनुभव देते हैं। आज के समय में पशु चिकित्सकों की कमी है। इस कोर्स के माध्यम से आप पशु अस्पतालों, चिड़ियाघरों, प्रयोगशालाओं में नौकरी या अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

पशु चिकित्सक की पढ़ाई के लिए 12वीं का है महत्व

इसके लिए छात्रों को 12वीं पीसीबी (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) के साथ पास करना होगा, ताकि वे पसंदीदा यूनिवर्सिटी और कोर्स में प्रवेश ले सकें। भारत में पशु चिकित्सक बनने के इच्छुक छात्रों को नीट-यूजी या एआईपीवीटी की परीक्षा पास करने की जरूरत होती है। 12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं

- बीएससी नर्सिंग
- बीएससी बायोटेक्नोलॉजी
- बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी
- बैचलर ऑफ फार्मेसी
- बीएससी मनोविज्ञान
- बीएससी बायोमेडिकल साइंस
- बीएससी क्लिनिकल रिसर्च
- बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी
- बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस
- पशु चिकित्सा विज्ञान

कोर्स की विविधताएं

इस क्षेत्र में आपके लिए बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, बीएससी इन वेटरनरी पैथोलॉजी, बीएससी इन एनिमल जेनेटिक्स एंड ब्रीडिंग, बीएससी एनिमल न्यूट्रिशन, बीएससी इन वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजी आदि कोर्स मौजूद हैं। आप वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हेल्थ टेक्नोलॉजी, वेटरनरी फार्मेसी, एनिमल हसबेंडरी में डिप्लोमा और वेटरनरी मेडिसिन, वेटरनरी सर्जरी में पीजी डिप्लोमा कर सकते हैं। अगर आप शोध करने के इच्छुक हैं, तो पीएचडी इन वेटरनरी साइंस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कोर्स के लिए जरूरी ज्ञान अध्ययन के पहले कुछ सालों के दौरान पशु चिकित्सक बनने के लिए जरूरी ज्ञान और सिद्धांतों से परिचित कराया जाएगा। अगले चरण में उन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा, जिनमें आप सबसे अधिक रुचि रखते हैं। अंत में, आप पशुओं का निरीक्षण और देखभाल करने वाले संगठनों से जुड़ सकते हैं।

रोजगार के अवसर

वेटरनरी कोर्स करने के बाद आप पशु सर्जन, चिड़ियाघर और वन्य जीव पशु चिकित्सा, पशु एनाटॉमिस्ट, वेटरनरी ऑफिसर, पशु रोग विशेषज्ञ, रिसर्चर, पशु चिरौप्रैक्टर, सरकारी और गैर-सरकारी एनिमल हॉस्पिटल से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

इनके अलावा, पैरामेडिकल क्षेत्र में भी कई कोर्स उपलब्ध हैं, जिनमें एनईईटी की आवश्यकता नहीं होती। इनमें चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, फिजियोथेरेपी और रेडियोलॉजी जैसे कोर्स शामिल हैं। नीट पास किए बिना मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के कुछ और विकल्प ये हैं, फ़्लेबोटोमिस्ट्स (रक्त का नमूना लेने वाले), मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट, पोषण विशेषज्ञ (न्यूट्रीशनिस्ट), फिजिशियन असिस्टेंट। हालांकि, नीट पास किए बिना किए गए इन कोर्सेज में किसी को भी एमबीबीएस डॉक्टर नहीं कहा जाएगा।

वेटरनरी कोर्स करने के लिए इन संस्थाओं में ले सकते हैं दाखिला

- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू)
- गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर
- वेटरनरी कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (वीसीआरआई), चेन्नई
- पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान कॉलेज, राजस्थान
- इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई), बरेली

बिना एक्सपीरियंस के भी इन टिप्स की मदद से पा सकते हैं नौकरी

आज के समय में नौकरी पाने के लिए एक्सपीरियंस का होना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आपके पास एक्सपीरियंस नहीं है तो भी आप इन टिप्स की मदद से नौकरी पा सकते हैं।

जीवन में सफलता पाने की शुरुआत एक्सपीरियंस के साथ होती है। जब आप कहीं पर नौकरी करते हैं तो आपको काम का एक्सपीरियंस मिलता है। एक बार एक्सपीरियंस मिल जाने के बाद जॉब स्विच करना काफी आसान हो जाता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब आपके पास काम का एक्सपीरियंस ना हो। अक्सर कंपनियां ऐसे लोगों को हायर करने से बचती हैं, जो फ्रेशर हों। दरअसल, फ्रेशर होने के कारण कंपनी सामने वाले व्यक्ति की काबिलियत का अंदाजा नहीं लगा पाते हैं। ऐसे में फ्रेशर के लिए एक अच्छी जॉब पाना काफी मुश्किल हो जाता है। हो सकता है कि आपने भी अभी-अभी अपनी पढ़ाई खत्म की हो और अब आप एक अच्छी जॉब की तलाश में हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना एक्सपीरियंस के भी एक अच्छी नौकरी पा सकते हैं-

रिज्यूम को बनाए मजबूत

किसी भी कंपनी में जॉब इंटरव्यू के लिए पहले आपको अपना रिज्यूम देना होता है। इसलिए, सबसे पहला और जरूरी कदम है कि आप अपने रिज्यूम को थोड़ा मजबूत बनाने की कोशिश करें। भले ही आपके पास वर्क एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन फिर भी आप उस जॉब के लिए जरूरी स्किल्स को रिज्यूम में मेंशन करें। साथ ही, अगर आपने पढ़ाई के दौरान किसी तरह की वर्कशॉप आदि में भाग लिया है तो उसे भी जरूर लिखें। इस तरह छोटी-छोटी खूबियों को हाइलाइट करने से आपको नौकरी मिलने की चांस काफी अधिक बढ़ जाते हैं।

एंट्री-लेवल जॉब के लिए करें अप्लाई

चूंकि प्रोफेशनल लाइफ में अभी आपकी शुरुआत है तो ऐसे में आपके लिए एकदम से मनचाही जॉब मिलना काफी कठिन है। शुरुआत में आपको एक्सपीरियंस हासिल करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप एंट्री-लेवल पोस्ट के लिए अप्लाई करें। इस तरह की जॉब्स में कंपनियां पैसा काफी कम देती हैं, लेकिन वे एक फ्रेशर को काम करने का अवसर भी देती है। जब आप एंट्री-लेवल जॉब को हासिल कर लेते हैं तो फिर आपके लिए बेहतर नौकरी पाने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। आप ऑनलाइन वेबसाइट की मदद से एंट्री-लेवल जॉब ढूंढ सकते हैं और अप्लाई कर सकते हैं।

सीखना ना छोड़ें

अमूमन यह देखने में आता है कि जब पढ़ाई पूरी हो जाती है, तो लोग नौकरी की तलाश में लग जाते हैं। लेकिन अगर आप एक बेहतर जॉब की तलाश में हैं तो सीखना कभी भी ना छोड़ें। आप जॉब ढूंढने के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स पर भी काम करते रहें।

आजकल ऑनलाइन व ऑफलाइन कई शॉर्ट टर्म कोर्स अवेलेबल हैं। आप अपने फील्ड को ध्यान में रखते हुए अन्य स्किल्स को शॉर्प करते रहें। इससे आपका रिज्यूम भी बेहतर बनता है और जॉब मिलना भी अधिक आसान होता है।

नेटवर्क व सोशल मीडिया का सहारा

नेटवर्किंग व सोशल मीडिया के जरिए भी आपको कई अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आप कई सोशल मीडिया वेबसाइट पर अपनी फील्ड के लोगों से जुड़ सकते हैं। साथ ही साथ, अपने काम या स्किल्स को सोशल मीडिया पर पोस्ट अवश्य करें। इससे लोगों को आपकी काबिलियत का पता चलता है। इतना ही नहीं, आप अपने दोस्तों, परिवार, प्रोफेसरों और अन्य जानकारों की मदद से प्रोफेशनल कनेक्शन मजबूत करें। अक्सर कनेक्शन व नेटवर्किंग की मदद से प्रोफेशनल लाइफ में अपने पैर जमाना काफी आसान हो जाता है।

आईआईटी की ऐसे करें तैयारी जरूर मिलेगी सफलता

हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है।

आज के समय में केवल इंजीनियरिंग और डॉक्टरी ही कॅरियर के केंद्र बिंदु नहीं हैं, बल्कि दूसरे तमाम कॅरियर ऑप्शंस बच्चों के सामने मौजूद हैं। पर इस बात से शायद ही कोई इनकार करेगा कि बावजूद दूसरे ऑप्शंस की उपलब्धता के आज भी इंजीनियरिंग एक शानदार और चमकता कॅरियर माना जाता है। उसमें भी बात जब आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश की हो, तब हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है। आइए जानते हैं कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए आपको किस ढंग से तैयारी करनी चाहिए।

आठवीं के तुरंत बाद सजगता आवश्यक

जी हां! भारत भर की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है आईआईटी की परीक्षा। ऐसे में अगर आप यह सोचते हैं कि तुरंत ही तैयारी करके आप आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पा लेंगे तो यह दिवा-स्वप्न जैसा साबित हो सकता है, खासकर सामान्य बुद्धि के बच्चों के लिए! सच तो यह है कि ऐसे लोग ही इस परीक्षा में ज्यादा सफल होते हैं जो आठवीं के बाद तुरंत ही सजग हो जाते हैं। वह नहीं तो उनके माता-पिता अपने बच्चों को आईआईटी की गंभीरता से रूबरू करा ही देते हैं। ऐसे बच्चे न केवल अपना नियमित पठन-पाठन वह पूर्णता के साथ करते हैं, बल्कि आईआईटी तैयारी के लिए फाउंडेशन कोर्स उनके लिए मददगार साबित होता है।

सेल्फ स्टडी

आठवीं के बाद 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं का अगर आपने सजगता से अध्ययन कर लिया, गणित और विज्ञान जैसे विषयों के फंडामेंटल्स क्लियर कर लिए, तो आप यह समझ लें कि पहली बाधा आपने क्रॉस कर ली। इसके साथ अगर आपने फाउंडेशन कोर्स और आईआईटी के प्रश्न पत्रों के पैटर्न को माध्यम बनाकर तैयारी कर ली और उस तरह के प्रश्नों पर पकड़ बना ली तो आप इसकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षा को अवश्य ही क्रैक कर सकते हैं।

रूटीन बना कर पढ़ना

आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास करना किसी महायुद्ध से कम मत मानिये। इसके लिए आपको एक एक क्षण का महत्त्व समझना पड़ता है। अगर आप नियमित रूटीन फॉलो नहीं करते हैं, और खुद को सख्त अनुशासन में नहीं रखते हैं तो आप यह जान लें कि आप लाखों नौजवानों से पीछे रह जाने वाले हैं।

रिवीजन का महत्व

आपने आईआईटी की तैयारी कर ली है तो आप रिवीजन के महत्व को कम मत आंकिये। आप लगातार अपने पढ़े हुए विषयों का रिवीजन करते रहेंगे तो इससे आप परीक्षा के समय भूल नहीं पाएंगे। इसके साथ ही अगर आपने अच्छे से रिवीजन किया है तो परीक्षा के दौरान आपको घबराहट महसूस नहीं होगी और प्रत्येक विषय पर आप की पकड़ मजबूत बनती जाएगी। ऐसे में निश्चित रूप से आपका आत्मविश्वास आसमान छू सकता है। कैरियर काउंसलर रिविजन के महत्त्व पर काफी जोर देते हैं।

समयबद्ध, मॉक टेस्ट के अनुसार करें तैयारी

ध्यान रहे अब चाहे जितना भी सिलेबस की तैयारी कर लें, लेकिन अगर बीच-बीच में अपनी तैयारियों की जांच आप नहीं करते हैं तो संभवत: परीक्षा के समय पर आप उलझन में पड़ सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको मॉक टेस्ट का तरीका अपनाना होगा। इसके लिए आप आईआईटी के पिछले साल के प्रश्न पत्रों का अभ्यास तय समय सीमा में करने का प्रयत्न करें। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर आप बार-बार इस प्रयास को करते हैं तो आप की पकड़ ना केवल प्रश्नों पर बनेगी बल्कि आप समय का भी प्रबंधन अच्छे से कर पाएंगे और तय समय सीमा में अपने प्रश्न पत्र को साल्व कर पाएंगे।

भारत पर गूगल का 10 अरब डॉलर का दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। गूगल भारत में अपना पहला और देश के डिजिटल हिस्ट्री में सबसे बड़ा निवेश करने जा रहा है। कंपनी 10 अरब डॉलर (लगभग 88,730 करोड़ रुपये) की लागत से आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में 1 गीगावॉट क्षमता वाला एक विशाल डेटा सेंटर क्लस्टर स्थापित करेगी। यह परियोजना एशिया में अब तक की सबसे बड़ी होगी और इससे भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को जबरदस्त बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। बता दें गूगल और उसकी सहायक कंपनियां वर्तमान में 11 देशों - अमेरिका, ताइवान, जापान, सिंगापुर, आयरलैंड, नीदरलैंड, डेनमार्क, फिनलैंड, जर्मनी, बेल्जियम और चिली में 29 स्थानों पर डेटा सेंटर संचालित करती हैं। डेटा सेंटर क्लस्टर विशाखापट्टनम जिले के अडविवाराम और तारलुवाडा गांवों तथा पड़ोसी अनाकापल्ली जिले के रामबिल्ली गांव में तीन अलग-अलग कैंपस में बनाया जाएगा। इसके लिए तीन उच्च-क्षमता वाली सबमरीन केबल्स लगाई जाएंगी, जिनके लिए विशेष केबल लैंडिंग स्टेशन और मेट्रो फाइबर लाइनों सहित उन्नत दूरसंचार ढांचा विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार का लक्ष्य विशाखापट्टनम में मुंबई से दोगुना सबमरीन केबल नेटवर्क तैयार करना है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा दिसंबर 2024 में ही गूगल के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इस परियोजना के अंतिम रूप से मंजूरी मिलने की उम्मीद है और गूगल की टीम और राज्य के आईटी मंत्री नारा लोकेश के बीच 14 अक्टूबर को इस पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर होने की संभावना है। इस डेटा सेंटर क्लस्टर के जुलाई 2028 तक चालू हो जाने का अनुमान है। हालांकि, गूगल ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। यह डेटा सेंटर क्लस्टर भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर हब का केंद्र बनेगा।

टाटा ट्रस्ट्स में मतभेद पर सरकार की पैनी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह के घर पर हुई 45 मिनट की बैठक में केंद्र सरकार ने टाटा समूह के टॉप लीडरशिप को सख्त संदेश दिया कि टाटा ट्रस्ट्स में स्थिरता बनाए रखें और आंतरिक विवादों को नियंत्रित करें ताकि उनका असर टाटा सन्स पर न पड़े, जो देश का सबसे मूल्यवान व्यवसायिक समूह है। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और टाटा समूह के चार वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे। इनमें टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा, वाइस चेयरमैन वेनु श्रीनिवासन, टाटा सन्स के चेयरमैन एन.

चंद्रशेखरन और ट्रस्टी डेरियस खंबाटा। सरकार का मानना है कि टाटा ट्रस्ट्स के भीतर चल रहे मतभेद अगर समय पर सुलझाए नहीं गए, तो यह पूरे समूह की कार्यप्रणाली पर असर डाल सकते हैं। मंत्रियों ने कंपनी नेतृत्व को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया कि वे जरूरत पड़ने पर सख्त कदम उठाएं, जिसमें ऐसे ट्रस्टी को हटाना भी शामिल है जो समूह के सुचारू कामकाज में बाधा डाल रहा हो। बैठक में आरबीआई के निर्देशों पर भी चर्चा हुई, जिसमें टाटा सन्स जैसी अपर्लेयर एनबीएफसी कंपनियों के पब्लिक लिस्टिंग का मुद्दा शामिल था। इसके साथ ही, समूह के दूसरे सबसे बड़े शेयरधारक शापूरजी पल्लोनजी समूह के लिए लिक्विडिटी (नकदी की उपलब्धता) का रास्ता निकालने पर भी विचार हुआ।

आईसीआरए का दावा

भारत का गोल्ड लोन बाजार मार्च 2026 तक?

15 लाख करोड़ के स्तर को पार कर सकता है

नईदिल्ली, एजेंसी। देश का संगठित गोल्ड लोन बाजार मार्च 2026 तक 15 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर जाएगा। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने यह दावा किया है। आईसीआरए के अनुसार यह पहल की उम्मीदों से एक साल पहले है। इस तेज वृद्धि का मुख्य कारण पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों में आई लगातार बढ़ोतरी है, जो अब तक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी हैं।

आईसीआरए लिमिटेड में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और को-ग्रुप हेड (फाइनेंशियल सेक्टर रेटिंग्स) एएम कार्तिक ने कहा कि संगठित गोल्ड लोन बाजार का आकार वित्त वर्ष 2027 तक और बढ़कर 18 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। एजेंसी के अनुसार गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में 30 से 35 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। इसका कारण ऊंचे सोने के दाम और असुरक्षित ऋण उत्पादों में धीमी वृद्धि को माना गया है। यह आम तौर पर उसी उधारकर्ता वर्ग को लक्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कई कंपनियों का विविधीकरण और देश में उपलब्ध बड़ी मात्रा में फ्री गोल्ड होल्डिंग इस वृद्धि के लक्ष्य को हासिल करने में सहायक साबित होंगे।

सोने की ऊंची कीमतों से यह वृद्धि हुई

सोने की ऊंची कीमतों के कारण हुआ है, लेकिन कोलैटरेल के रूप में रखे गए सोने का टन भार वित्त वर्ष 2020-2025 के दौरान 1.7 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से मामूली रूप से बढ़ा है। इस अवधि के दौरान औसत ऋण आकार दोगुने से भी अधिक हो गया है, जबकि शाखाओं की संख्या में 3.3 प्रतिशत की धीमी सीएजीआर से वृद्धि हुई है।

बैंकों ने एनबीएफसी की तुलना में तेज वृद्धि दर्ज की

वित्त वर्ष 24-25 के दौरान, स्वर्ण ऋण लगभग 26 प्रतिशत की सीएजीआर से विस्तारित हुआ। यह मार्च 2025 तक 11.8 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया। बैंकों ने एनबीएफसी की तुलना में थोड़ी तेज वृद्धि दर्ज की। इससे समग्र संगठित बाजार में बाद की हिस्सेदारी में गिरावट आई। मार्च 2025 तक, बैंकों की कुल संगठित स्वर्ण ऋण बाजार में लगभग 82 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जबकि शेष 18 प्रतिशत हिस्सेदारी एनबीएफसी के पास थी। एनबीएफसी की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत से घटकर अब 2025 में 22 प्रतिशत हो गई है, जो इस क्षेत्र में बैंकों की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। आईसीआरए के आंकड़ों से यह भी पता चला है कि जून 2025 तक कुल एनबीएफसी गोल्ड लोन प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 2.4 ट्रिलियन रुपये थीं।

सोना पहली बार 1.25 लाख के पार

सारे रिकॉर्ड ध्वस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। करवाचौथ पर सोने-चांदी के जेवर गिफ्ट में देने के लिए अब सौ बार सोचना पड़ेगा। 10 अक्टूबर को करवाचौथ है और उससे पहले आज सोने-चांदी की की कीमतें सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर एक बार फिर नए ऑल टाइम पर हैं। आज 8 अक्टूबर को सोना एक झटके में ही 1832 रुपये महंगा हो गया है जबकि, चांदी के भाव में 1345 रुपये की उछाल दर्ज की गई है। 24 कैरेट सोने का भाव जीएसटी समेत अब 125452 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी जीएसटी समेत 155306 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। आइबीजेए के मुताबिक आज 24 कैरेट सोना बिना जीएसटी 121799 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला जबकि, मंगलवार को यह बिना जीएसटी 119967 रुपये पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी बिना जीएसटी 149438 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। आज चांदी बिना जीएसटी 150783 रुपये प्रति किलो के रेट से खुला। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। अक्टूबर के महज 6 कारोबारी दिनों में सोना 6450 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ। जबकि, चांदी की कीमत में प्रति किलो 8349 रुपये का उछाल आया। इस साल सोना अबतक 46059 रुपये और चांदी 64766 रुपये महंगी हो चुकी है। आज 23 कैरेट गोल्ड भी 1824 रुपये महंगा होकर 121311 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 124950 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 1678 रुपये उछलकर 111568 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। जीएसटी संग यह 114915 रुपये है। आज 18 कैरेट गोल्ड 1374 रुपये की तेजी के साथ 91349 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है।

बजट में बदलेगी सस्ते घरों की परिभाषा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार आम लोगों को राहतों का सिलसिला देने का काम आगे भी चालू रख सकती है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार फरवरी में पेश होने वाले बजट में आम लोगों के लिए सस्ते मकानों की परिभाषा बदलने की योजना बना रही है। इसके तहत वर्तमान सीमा को बढ़ाया जा सकता है। अभी 45 लाख रुपये तक की कीमत वाले मकानों को अफोर्डेबल हाउसिंग यानी सस्ते घरों के वर्गीकरण के रूप में रखा गया है। लेकिन अब इसे महानगरों के लिए 55 लाख रुपये या फिर 60 वर्गमीटर किया जा सकता है। गैर महानगरों के लिए इस सीमा को बढ़ाकर 90 वर्गमीटर किया जा सकता है। इसके पीछे तर्क यह है कि अब आम आदमी को भी कम से कम 800-1000 वर्गफुट का दो या तीन बेडरूम, किचन और हाल यानी बीएचके की जरूरत होती है। दरअसल, कई रियल्टी संस्थान लंबे समय से सरकार से इस परिभाषा को बदलने की मांग कर रहे हैं। उनका इसके पीछे तर्क है कि 2017 में जब यह नियम बना था, तब से अब तक मकानों की कीमतें तो बढ़ी ही हैं, साथ ही महंगाई भी जमकर बढ़ी है। ऐसे में अब 45 लाख रुपये में दूसरे स्तर के शहरों यहां तक कि दिल्ली और मुंबई के आस-पास जो शहर हैं, वहां भी मकान नहीं मिल रहे हैं। सूत्रों ने बताया, इस संबंध में कई रियल्टी संस्थानों ने हाल में सरकार से बात की है और सरकार इस बार इस लंबी मांग को पूरा करने का विचार कर रही है। सरकार ने फरवरी में पेश बजट में आयकर में भारी राहत दी। फिर आरबीआई की रेपो दर में एक फीसदी की बड़ी कटौती और अब जीएसटी सुधार से लोगों को राहत तो मिली है, पर मकान खरीदारों को अब भी राहत नहीं मिली है। रियल्टी संस्थानों का कहना है कि जीएसटी सुधार से उन्हें कोई फायदा नहीं हुआ है। सीमेंट पर जीएसटी कटौती से उनका क्या लेना देना है? अगर सीमेंट कंपनियां या डीलर कीमतें घटाते हैं तो वे उतना फायदा तो दे देंगे, लेकिन यह घर खरीदारों के लिए कोई बहुत बड़ी राहत नहीं है। ऐसे में रियल्टी संगठन अब भी उम्मीद लगाए बैठे हैं कि इस बार कुछ राहत मिलेगी। सीधे तौर पर इस उद्योग को जीएसटी के सुधार से कोई फायदा नहीं हुआ है। रियल्टी कंसल्टेंट एनारॉक के अनुसार, भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ से किफायती घरों की बिक्री प्रभावित होने की संभावना है। इससे छोटे व्यवसायों और उनके कर्मचारियों की आय प्रभावित होगी।

अनिल अंबानी-आरकॉम को हाईकोर्ट से झटका

खातों को धोखाधड़ी में वर्गीकृत करने वाला एसबीआई का आदेश वैध

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उद्योगपति अनिल अंबानी और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने वाले भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आदेश को बरकरार रखा है। अदालत ने कहा है कि यह एक तर्कसंगत आदेश था और इसमें कोई कानूनी खामी नहीं थी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने 3 अक्तूबर को एसबीआई के आदेश को चुनौती देने वाली अंबानी की याचिका खारिज कर दी थी। फैसले की एक प्रति मंगलवार को सामने आई। इसमें कहा गया कि अंबानी की याचिका में कोई दम नहीं है, क्योंकि 13 जून 2025 के एसबीआई आदेश में कोई खामी नहीं थी। अदालत ने उद्योगपति की इस दलील पर विचार नहीं किया कि आदेश को अमान्य घोषित किया जाना चाहिए। अंबानी ने अपनी याचिका में दलील थी कि उन्हें व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया और प्रासंगिक दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए गए।

हाईकोर्ट ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मास्टर निर्देशों के तहत उपलब्ध अधिकार, जिसके तहत एसबीआई ने अपना आदेश पारित किया, प्रतिनिधित्व करने का है, न कि व्यक्तिगत सुनवाई का। अदालत ने कहा कि अंबानी ने पिछले साल एसबीआई की ओर से जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब दे दिया था और जब अंतिम पत्र का कोई जवाब नहीं आया तो बैंक ने खाते को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने का आदेश पारित कर दिया।

अगले साल 11 प्रतिशत तक बढ़ेगा वेतन

इंफ्रास्ट्रक्चर व एनबीएफसी सेक्टर में मिलेगी सबसे ज्यादा सैलरी हाइक

नई दिल्ली, एजेंसी। वेतन के मोर्चे पर सुनहरी तस्वीर सामने आ रही है। 2026 में वेतन 11 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। 2025 में 8.9 प्रतिशत वृद्धि से यह मामूली अधिक है। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती के बावजूद मजबूत रोजगार बाजार को दर्शाता है। एओन पीएलसी के अनुसार, 2026 में रियल एस्टेट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक वेतन वृद्धि होगी। रिपोर्ट के अनुसार, रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियां 10.9 प्रतिशत वृद्धि कर सकती हैं। एनबीएफसी में 10 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है। ऑटोमोटिव और वाहन विनिर्माण जैसे अन्य उद्योगों में 9.6 प्रतिशत, इंजीनियरिंग डिजाइन में 9.7, इंजीनियरिंग और विनिर्माण में 9.2 प्रतिशत, खुदरा में 9.6 और लाइफ साइंस में 9.6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, नौकरी छोड़ने की दर धीरे-धीरे कम होकर 2025 में 17.1 प्रतिशत हो गई है। 2024 में 17.7 और 2023 में 18.7 प्रतिशत थी। इसका मतलब कंपनियां कर्मचारियों को बनाए रखने और भविष्य के लिए एक मजबूत वर्कफोर्स बनाने के लिए क्षमता को बढ़ाने व डेवलपमेंट प्रोग्राम में निवेश करने में सक्षम हो रही हैं। जो कंपनियां अपनी पुरस्कार रणनीतियों को इन बदलावों के साथ जोड़ कर चलेंगी, वे शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में होंगी।

अब नहीं चलेगा फर्जी पैन और बेनामी सौदों का खेल, विभाग खंगालेगा रजिस्ट्री रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। बेहिसाब संपत्ति व बेनामी लेनदेन पर रोक लगेगी। आयकर विभाग संपत्ति रजिस्ट्रार के रिकॉर्ड की जांच करने की योजना बना रहा है। हजारों संपत्ति सौदे आयकर अधिकारियों की नजरों से ओझल होने की आशंका है। रिपोर्टिंग में जानबूझकर की गई चूक और संपत्ति के दस्तावेजों में खरीदारों-विक्रेताओं के फर्जी या भ्रामक पैन के कारण कई लेन-देन विभाग की नजर से ऐसे सौदे बच रहे हैं। संपत्ति रजिस्ट्रार को 30 लाख रुपये या उससे अधिक मूल्य की संपत्तियों की खरीद और बिक्री का विवरण देना अनिवार्य है। ऐसे मामले भी हैं जिनमें शामिल पक्ष रजिस्ट्रार कार्यालयों के अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके यह सुनिश्चित करते हैं कि सौदे की रिपोर्ट न की जाए या गलत पैन या नाम दर्ज कर दिए जाएं। इससे उनका पता लगाना मुश्किल हो जाएगा। उच्च मूल्य वाले रियल एस्टेट लेनदेन का उपयोग लंबे समय से काले धन को जमा करने के एक माध्यम के रूप में किया जाता रहा है। इसे अक्सर फर्जी संस्थाओं के माध्यम से छुपाया जाता है। इस प्रणाली को मजबूत करने के लिए संपत्ति पंजीकरण से पहले सभी पक्षों के लिए पैन और आधार का अनिवार्य ई-सत्यापन एक महत्वपूर्ण सुधार है। यह कदम नकली या गलत पैन या आधार विवरणों के उपयोग को समाप्त करने और यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि संपत्ति के रिकॉर्ड वास्तविक स्वामित्व को दर्शाते हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर- बोले

भारत-यूके व्यापार समझौता है विकास का लॉन्चपैड

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच मुक्त व्यापार समझौते के तहत मौजूद अवसर बेमिसाल हैं। स्टार्मर ने प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद अपनी पहली भारत यात्रा की शुरुआत की है। स्टार्मर ब्रिटेन के 125 सबसे प्रमुख व्यापारिक नेताओं, उद्यमियों, विश्वविद्यालय के कुलपतियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ, दो दिवसीय यात्रा पर आज सुबह मुंबई पहुंचे। रोल्स रॉयस, ब्रिटिश टेलीकॉम, डियाजियो, लंदन स्टॉक एक्सचेंज और ब्रिटिश एयरवेज जैसी प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारी स्टारमर के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं।

प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को व्यापक वार्ता करेंगे। इस बैठक में दोनों नेता भारत-यूके के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत व विस्तारित करने के नए रास्तों पर चर्चा करेंगे।

स्टार्मर ने कहा कि हमने जुलाई में भारत के साथ एक प्रमुख व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह किसी भी देश द्वारा किया गया सबसे बेहतर समझौता है लेकिन कहानी यहीं समाप्त नहीं होती। उन्होंने कहा कि यह महज एक कागज का टुकड़ा नहीं है, बल्कि यह विकास का एक लॉन्चपैड है। भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है और उसके साथ व्यापार तेज और सस्ता होने वाला है, ऐसे में हमारे लिए उपलब्ध अवसर बेजोड़ हैं। उन्होंने कहा कि भारत में विकास का मतलब ब्रिटिश लोगों के लिए घर पर अधिक विकल्प, स्थिरता और नौकरियां हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री की भारत यात्रा, दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के ढाई महीने बाद हुई है। इससे बाजार पहुंच बढ़ेगी, टैरिफ में कटौती होगी और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना हो जाएगा। जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी की लंदन यात्रा के दौरान यह ऐतिहासिक व्यापार समझौता तय हुआ था।

स्टार्मर एफटीए की गति को आगे बढ़ाना चाहते हैं

स्टार्मर की भारत यात्रा पर ब्रिटिश वक्तव्य में कहा गया है कि वह ब्रिटेन-भारत व्यापार समझौते से प्राप्त गति को आगे बढ़ाना चाहते हैं, क्योंकि इससे ब्रिटिश व्यवसायों के लिए दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक तक पहुंच खुल जाएगी।

भारत के साथ किया समझौता सबसे अहम

ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री पीटर काइल ने कहा कि हमने दिखा दिया है कि भारत के साथ व्यापार बढ़ाने की हमारी महत्वाकांक्षा की कोई सीमा नहीं है। एक वर्ष से भी कम समय में हम एक समझौते पर बातचीत दोबारा शुरू करने से लेकर, 125 प्रतिभाशाली व्यापारिक नेताओं को उसकी वाणिज्यिक राजधानी में लाने तक पहुंच गए हैं। हमारा समझौता किसी भी देश द्वारा भारत के साथ किया गया अब तक का सबसे अच्छा समझौता है व यह ब्रिटिश व्यवसायों को एक विशाल और निरंतर बढ़ते बाजार तक पहुंच बनाने की कतार में सबसे आगे रखता है। उन्होंने कहा कि अब हम जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं और हर आवश्यक साधन का उपयोग कर रहे हैं ताकि व्यवसायों को इस बात के लिए तैयार किया जा सके कि वे इस समझौते के लागू होने के बाद हमें जो बड़ी सफलताएं प्राप्त हुई हैं, उनका पूरा लाभ उठा सकें, ताकि हम घरेलू स्तर पर विकास, रोजगार और समृद्धि ला सकें। बयान के अनुसार, ब्रिटिश उत्पादों पर भारत का औसत टैरिफ 15 प्रतिशत से घटकर तीन प्रतिशत हो जाएगा, जिसका अर्थ यह है कि भारत में शीतल पेय और सौंदर्य प्रसाधनों से लेकर कारों और चिकित्सा उपकरणों तक के उत्पाद बेचने वाली ब्रिटिश कंपनियों को भारतीय बाजार में बेचना आसान हो जाएगा।

यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 35 फीसदी बढ़कर 2.17 लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी दर घटने और शुभ अवसर के चलते नवरात्र के नौ दिनों में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 35 फीसदी बढ़कर 2,17,744 यूनिट पर पहुंच गई। एक साल पहले समान अवधि में 1,61,443 वाहन बिके थे। डीलरों के संगठन फाडा के मुताबिक, दरें घटने की उम्मीद में सितंबर के पहले 21 दिनों में मांग बिलकुल धीमी हो गई थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा कि 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू होने से वाहनों की बिक्री में जमकर तेजी आई। साथ ही नवरात्र ने भी इसमें अच्छा योगदान दिया। बम्पर बिक्री के कारण सितंबर में कुल यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री बढ़कर 2,99,369 इकाई हो गई। बता दें कि यह पिछले साल इसी महीने में 2,82,945 यूनिट की तुलना में 6 प्रतिशत ज्यादा है। फाडा ने कहा, सितंबर, 2025 ऑटोमोबाइल रिटेल उद्योग के लिए एक असाधारण रूप से अनूठा महीना था। नवरात्र के दौरान डीलरशिप पर ग्राहकों की संख्या में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि व डिलीवरी भी हुई। सितंबर के अंतिम दिनों में बनी यह गति दिवाली तक जारी रहेगी, जो 42 दिनों के त्योहारी सीजन का बेहतरीन समापन होगा। फाडा ने अपने सदस्यों का सर्वे किया। अक्तूबर की उम्मीदों को लेकर 63 फीसदी ने कहा, बिक्री बढ़ेगी। 23 फीसदी ने कहा, सपाट रहेगी। 9 फीसदी ने माना घटेगी। अगले तीन महीनों के बारे में 67 फीसदी ने कहा, बिक्री में तेजी रहेगी। 29 फीसदी ने सपाट व 4 फीसदी ने कहा बिक्री घट सकती है। 71 फीसदी ने माना सेंटिमेंट बहुत अच्छा है।

अर्जेंटीना की विश्व कप टीम में अभी भी जगह खाली

इन मुकाबलों में परखे जाएंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ आगामी मैत्री मुकाबलों की तैयारी में जुटी है। इस बीच टीम के मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने बताया कि विश्व कप 2026 के लिए टीम में अभी भी जगह खाली है। मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने बताया है कि इन मैत्री मैचों का इस्तेमाल अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में होने वाले टूर्नामेंट से पहले नए खिलाड़ियों को परखने के लिए किया जाएगा। शुक्रवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले लियोनेल स्कालोनी ने कहा, जाहिर है कि हम नए खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश करेंगे, यह देखने के लिए कि क्या वे टीम में शामिल हो सकते हैं।

इन मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों को आजमाया जाएगा। लियोनेल स्कालोनी ने स्वीकारा है कि अधिकांश विश्व कप टीम पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन उन्होंने बताया कि अंतिम समय में कुछ बदलाव हो सकते हैं, जैसे 2022 के कतर विश्व कप से पहले हुए थे। उन्होंने कहा, आप नहीं जानते कि कब बदलाव हो सकते हैं। भले ही हमारे पास एक मजबूत टीम है, लेकिन हमें नहीं पता आगे क्या हो सकता है। पिछले विश्व कप का अनुभव हमारे पास है, जब कुछ खिलाड़ी आखिरी समय में बाहर हो गए थे। यह सच है कि टीम का अधिकांश हिस्सा तय है, लेकिन हम आने वाली किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार हैं। नए खिलाड़ी अब टीम में शामिल हुए हैं। अगर हमें लगेगा कि जरूरत है, तो आगे भी नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। अर्जेंटीना ने साउथ अमेरिकन क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करके अगले साल होने वाले फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की है। स्कालोनी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि उनकी टीम विश्व कप से पहले होने वाले सभी मुकाबलों को गंभीरता से लेगी। उनका मानना है कि अर्जेंटीना फुटबॉल टीम का कोई भी मैच वास्तव में मैत्रीपूर्ण नहीं होता। मैनेजर ने कहा, हमें लगता है कि हर बार जब कोई अंतरराष्ट्रीय मैच होता है, चाहे वह आधिकारिक हो या मैत्रीपूर्ण, एक शानदार अवसर प्रदान करता है। आगे क्या होता है, यह बहुत महत्वपूर्ण है। बहुत कुछ दांव पर लगा है। इन मुकाबलों में हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।

नीरज चोपड़ा ने स्विट्ज़रलैंड में पूरी की रिकवरी, अगले सीजन में दमदार वापसी के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने बताया कि वे स्विट्ज़रलैंड में अपनी रिकवरी पूरी कर अगले सत्र में और बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। इस साल चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने इससे बहुत कुछ सीखा और अनुभव तथा आत्मविश्वास भी बढ़ाया। हरियाणा के इस एथलीट ने इस साल दोहा में 90 मीटर की दूरी पार की, लेकिन विश्व चैम्पियनशिप में पदक नहीं जीत सके। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत

पदक जीत चुके नीरज ने कहा, बेहतर प्रदर्शन की गुंजाइश हमेशा रहती है और यही प्रेरित करती है। अब मेरा फोकस रिकवरी और अगले सत्र में मजबूती के साथ वापसी पर है। शरीर अच्छा महसूस कर रहा है और थोड़े आराम और रिकवरी के बाद मैं बेहतर वापसी कर सकूंगा। नीरज ने स्विट्ज़रलैंड की खूबसूरती और प्रशिक्षण सुविधाओं की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि उन्हें स्विस पहाड़, हरियाली, इंटरलाकेन से बर्न्स और लुसाने तक की ट्रेन यात्राएँ बेहद पसंद हैं। उन्होंने याद किया कि 2022 में स्विट्ज़रलैंड ने उन्हें 'दोस्ती दूत' बनाया और जुंगफ्राउजोच के 'आइस पैलेस' में सम्मानित किया, जहाँ पहले टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर और गोल्फर रोरी मैकलरॉय सम्मानित हो चुके हैं।

93वां वायुसेना दिवस

तेंदुलकर समेत भारतीय क्रिकेटर्स ने किया आसमान के रक्षकों को सलाम

नई दिल्ली, एजेंसी। 93वें भारतीय वायुसेना दिवस के मौके पर भारतीय क्रिकेट जगत ने वायुसेना के वीर योद्धाओं को शुभकामनाएं दी हैं। विश्व के महानतम बल्लेबाजों में शुमार सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 1.4 अरब से ज्यादा भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं को उड़ान देते हुए, भारतीय वायु सेना साहस और समर्पण के साथ हमारे राष्ट्र की रक्षा करती है और उसे और ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करती है। सचिन तेंदुलकर साल 2010 में वायु सेना के मानद ग्रुप कैप्टन बने थे। ऐसा सम्मान पाने वाले वह पहले खिलाड़ी हैं।

उन्होंने लिखा, इंडियन एयरफोर्स का हिस्सा बनकर गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है। भारतीय वायु सेना दिवस की शुभकामनाएं! जय हिंद! भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने लिखा, हमारे आसमान के रक्षकों को सलाम! अपनी विस्फोटक सलामी बल्लेबाजी के लिए भारतीय क्रिकेट जगत में पहचान बनाने वाले शिखर धवन ने एक्स पर लिखा, दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वायु सेनाओं में से एक का जश्न मनाते हुए आकाश के असली मालिकों को सलाम। 93वें भारतीय वायुसेना दिवस पर खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर को याद किया गया। इस समारोह में देश के जांबाजों को ऑपरेशन सिंदूर में उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया गया। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी, जिसके बाद 7 मई को भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई शुरू की गई, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया गया। 93वें भारतीय वायुसेना दिवस के मौके पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान समेत चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने हिंडन एयरबेस पहुंचकर कार्यक्रम में शिरकत की।

समारोह में वायु सैनिकों ने भव्य मार्च पास्ट किया। लड़ाकू विमान रनवे पर प्रदर्शित किए गए। इसके साथ ही भारत की हवाई ताकत और उसकी सटीकता को पूरी दुनिया के सामने दिखाया गया।

रोहित को संन्यास ले लेना चाहिए...

बेइज्जत होने से अच्छा मत खेलो, गौतम गंभीर के खिलाफ दिग्गज ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा को वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है। उनकी जगह युवा खिलाड़ी शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया गया है। यह फैसला ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले लिया गया है। 38 साल के रोहित शर्मा के लिए यह खबर अच्छी नहीं है। अब उन्हें भी बाकी खिलाड़ियों की तरह अपने प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनानी होगी। अगर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो उन्हें टीम से बाहर भी किया जा सकता है।

शुभमन गिल के कप्तान बनने पर सवाल- शुभमन गिल को कप्तान बनाने का फैसला थोड़ा चौंकाने वाला है। 26 साल के गिल को भविष्य का कप्तान माना जा रहा था लेकिन रोहित शर्मा के रहते हुए जिन्होंने हाल ही में

चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी उन्हें इतनी जल्दी कप्तानी देना थोड़ा अजीब लगता है। हालांकि भारतीय क्रिकेट में ऐसे उत्तराधिकार की योजनाएं पहले भी देखी गई हैं। एमएस धोनी के 2019 वर्ल्ड कप से दो साल पहले 2017 में विराट कोहली को वनडे की कप्तानी सौंपी गई थी। लेकिन यहां एक बड़ा अंतर यह है कि रोहित शर्मा 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए टीम का हिस्सा होंगे या नहीं यह पक्का नहीं है।

रोहित शर्मा को ले लेना चाहिए संन्यास

पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने 38 वर्षीय रोहित शर्मा से आग्रह किया है कि वे बीसीसीआई से इस तरह का बर्ताव बर्दाश्त न करें और जिस एकमात्र फॉर्मेट में वे अभी सक्रिय हैं उससे संन्यास ले लें। तिवारी का मानना है कि बीसीसीआई का रोहित के प्रति अनादर यहीं नहीं रुकेगा बल्कि और बढ़ेगा। इसलिए इससे पहले कि भारत के महानतम बल्लेबाजों में से एक को और अपमान झेलना पड़े बेहतर होगा कि वे खुद को इस शर्मिंदगी से बचा लें। तिवारी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वे (रोहित) अब उनकी योजनाओं में हैं। अब सब कुछ उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। अगर मैं रोहित शर्मा होता तो मैं इसके बाद संन्यास लेने पर विचार करता। उनके जैसे खिलाड़ी को इस तरह के अपमान का हकदार नहीं है।

तिवारी बीसीसीआई के बर्ताव से रोहित शर्मा को देखकर दुखी हैं। रोहित का कप्तानी का कार्यकाल कुछ पूर्व कप्तानों की तुलना में काफी छोटा था यानी चार साल से भी कम। लेकिन इस दौरान रोहित ने भारत को आईसीसी ट्रॉफी का सूखा दो बार खत्म किया। उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को हराकर भारत को दूसरा टी20 वर्ल्ड कप जिताया था। और उसके 9 महीने बाद रोहित ने एक और अजेय अभियान का नेतृत्व किया और इस बार चैंपियंस ट्रॉफी जीती।

ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत को भारतीय कुश्ती महासंघ ने किया निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले अमन सहरावत को एक साल के लिए निलंबित कर दिया। 22 वर्षीय सहरावत को सितंबर में क्रोएशिया के जाग्रेब में हुई विश्व चैंपियनशिप में 57 किलोग्राम भार सीमा पार करने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। 23 सितंबर से लागू हुए निलंबन की वजह से सहरावत सितंबर 2026 तक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

कुश्ती से जुड़ी किसी भी गतिविधि में भाग नहीं ले पाएंगे। अमन सहरावत के निलंबन की पुष्टि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने की। आईएएनएस को संजय सिंह ने बताया कि अमन सहरावत को अनुशासनात्मक नोटिस भेजा गया था जिसका वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस वजह से उन्हें निलंबित किया गया। संजय सिंह कहा, भारतीय कुश्ती महासंघ ने वजन संबंधी नियमों का उल्लंघन करने के लिए अमन सहरावत को निलंबित करने की घोषणा की है। 23 सितंबर से प्रभावी यह निलंबन उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी कुश्ती गतिविधि में भाग लेने से रोकता है। सहरावत 14 सितंबर को अपने निर्धारित मुकाबले से 18 दिन पहले क्रोएशिया के पोरेक में तैयारी शिविर में शामिल हुए थे, जिससे उन्हें नियमों के अनुसार अपना वजन और फिटनेस स्तर बनाए रखने के लिए पर्याप्त समय मिल गया। यह एक साल के भीतर किसी भारतीय पहलवान से जुड़ी तीसरी अनुशासनात्मक घटना है।

जोकोविच का शानदार प्रदर्शन

- **चोट के बावजूद मैच जीतकर क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश**

शंघाई, एजेंसी। नोवाक जोकोविच (ह्रश्1ड्डद्म ष्ठद्भशद्मश्1द्बष्) ने अपने बाएं टखने की चोट, शंघाई की उमस और जौम मुनार की चुनौती के बावजूद 11वीं बार शंघाई मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। दो घंटे 40 मिनट चले इस मुकाबले में सर्बियाई स्टार को पैर की समस्या के कारण कई बार मेडिकल टाइमआउट लेने पड़े और उच्च उमस (82 प्रतिशत से अधिक) के बीच उन्होंने बार-बार सिर पर टॉवल रखा। खेल के दौरान जोकोविच को उल्टी भी

हुई और दूसरे सेट में हार के बाद मेडिकल सहायता के लिए जमीन पर गिरना पड़ा। बावजूद इसके, 38 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से हराया। जोकोविच शंघाई में अब तक हर साल क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे हैं और चार बार ट्रॉफी जीत चुके हैं। वर्तमान में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी और ड्रॉ में शीर्ष रैंकिंग वाले बाएं हाथ के खिलाड़ी का अगला मुकाबला बेल्जियम के ज़िज़िओउ बर्ग्स से होगा।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो बने पहले अरबपति फुटबॉलर, मेसी को पीछे छोड़ा

लंदन, एजेंसी। रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उनके वेतन से आया है। यूरोप में उनका वेतन मेसी के बराबर था, लेकिन 2023 में जब उन्होंने सऊदी अरब के अल नास्र क्लब से साइन किया, तो उनकी कमाई में बड़ा अंतर आया।

फुटबॉल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर में एक और कीर्तिमान स्थापित किया है। इस बार यह रिकॉर्ड गोल्स या ट्रॉफी के लिए नहीं, बल्कि उनकी बैंक बैलेंस के लिए है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक, रोनाल्डो की कुल संपत्ति 1.4 बिलियन यूएस डॉलर (लगभग 11,50,00,00,000 रुपये) आंकी गई है, जिससे वह फुटबॉल के पहले अरबपति खिलाड़ी बन गए हैं। ब्लूमबर्ग ने कहा कि यह पहली बार है जब रोनाल्डो की संपत्ति इस इंडेक्स में शामिल की गई है। इस मूल्यांकन ने उन्हें विश्व फुटबॉल का सबसे अधिक कमाई करने वाला

खिलाड़ी बना दिया। इस मामले में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी को काफी पीछे छोड़ दिया।

वेतन और क्लब करियर- रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उनके वेतन से आया है। यूरोप में उनका वेतन मेसी के बराबर था, लेकिन 2023 में जब उन्होंने सऊदी अरब के अल नास्र क्लब से साइन किया, तो उनकी कमाई में बड़ा अंतर आया। इस सौदे के तहत उन्हें कर-मुक्त 200 यूएस डॉलर मिलियन वार्षिक वेतन और बोनस के रूप में मिले, साथ ही 30 मिलियन यूएस डॉलर का साइनिंग बोनस भी शामिल था। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, 2002 से 2023 तक रोनाल्डो ने कुल 550 मिलियन यूएस डॉलर से अधिक वेतन कमाया।

ब्रांड एंडोर्समेंट्स और व्यावसायिक निवेश- रोनाल्डो की कमाई का दूसरा स्तंभ एंडोर्समेंट्स हैं। नाइकी के साथ उनका दस साल का समझौता उन्हें सालाना लगभग 18 मिलियन यूएस डॉलर आमदनी देता है। इसके अलावा अरमानी और कैस्ट्रोल जैसे ब्रांड्स के साथ साझेदारियों से उनकी कुल संपत्ति में लगभग 175 मिलियन यूएस डॉलर का इजाफा हुआ है।

महिला विश्व कप

द. अफ्रीका के खिलाफ शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को आत्मविश्वास से ओतप्रोत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में बृहस्पतिवार को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारत अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है लेकिन अगर आस्ट्रेलिया बुधवार को कोलंबो में पाकिस्तान को हरा देती है तो भारत तीसरे स्थान पर खिसक जाएगा।

भारत ने भले ही पिछले दोनों मैच जीते हों लेकिन स्मृति मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रौड्रिग्स के बल्लों से रन नहीं निकलना चिंता का विषय है। तीनों श्रीलंका के खिलाफ नाकाम रहीं थी जिसके बाद हरलीन देयोल, अमनजोत कौर , रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने टीम को संकट से निकाला। श्रीलंका के खिलाफ भारत ने छह विकेट 124 रन पर और पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट 159 रन पर गंवा दिए थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों का योगदान नहीं होता तो भारत की स्थिति खराब हो सकती थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि इस तरह की गलती नहीं की जा सकती और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना ही होगा। अगर नतीजा भारत के पक्ष में नहीं रहता तो अंकतालिका में स्थिति खराब होने के अलावा पिछले चैम्पियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ 12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले में भी टीम पर दबाव रहेगा।

भारतीय टीम प्रबंधन हालांकि सकारात्मक पहलू देखना चाहेगा कि स्टार बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत टीम की गहराई को दिखाती है। लेकिन उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि मंधाना, हरमनप्रीत और जेमिमा का बल्ला दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गजों के खिलाफ खामोश रहा तो यह निर्णायक साबित हो सकता है। दूसरी ओर गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें यह भी देखना होगा कि एसीए . वीडीसीए स्टेडियम की पिच गुवाहाटी या कोलंबो की तरह नहीं है। दीप्ति शर्मा अभी तक छह

विकेट ले चुकी है जिन्हें साथी स्पिनरों स्नेह राणा और श्री चरणी से अच्छा सहयोग मिला।

तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ भी प्रभावी रही हैं। बीमारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर रही तेज गेंदबाज हरफनमौला अमनजोत कौर की फिटनेस पर भी नजरें होंगी। फिट होने पर वह टीम में रेणुका सिंह ठाकुर की जगह लेंगी। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर वापसी की। वहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 69 रन पर सिमटने के बाद टीम दस विकेट से हार गई थी। शतक जमाने वाली तजमीन ब्रिट्ज और भरोसेमंद सुने लूस के अलावा कप्तान लौरा वोल्वार्ट, मरियाने काप और एलेके बॉश से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में नोंकु एमलाबा, अयाबोंगा खाका, काप, मसाबाता क्लास और क्लो ट्रायॉन पर नजरें रहेंगी।

क्या चांदनी बार रीओपन्स में लौटेंगी तब्बू?

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म चांदनी बार के बहुप्रतीक्षित सीक्वल पर काम आधिकारिक रूप से शुरू हो चुका है। लेकिन इस घोषणा के बीच सबसे बड़ा सवाल जो चर्चा में है वो ये कि क्या तब्बू एक बार फिर अपने आइकॉनिक किरदार मुमताज़ सावंत के रूप में वापसी करेंगी? मूल फिल्म में तब्बू के दमदार और संवेदनशील अभिनय ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया था, और फिल्म आज भी उनकी अदाकारी से गहराई से जुड़ी हुई मानी जाती है। निर्माता टीम ने पुष्टि की है कि चांदनी बार 2 एक नई पीढ़ी के लिए इस कहानी को फिर से पेश करेगी, जो पहली फिल्म की घटनाओं के 25 साल बाद की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। प्रोजेक्ट से जुड़े एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया कि चांदनी बार 2 के निर्माता, तब्बू की वापसी को लेकर गहन बातचीत कर रहे हैं। सूत्र ने बताया, निर्माता चाहते हैं कि तब्बू अपने इस प्रतिष्ठित किरदार को दोबारा निभाएं, क्योंकि उनकी मौजूदगी फिल्म की विश्वसनीयता और भावनात्मक गहराई के लिए बेहद अहम मानी जा रही है।

थामा को लेकर बोले आयुष्मान

दिवाली पर पहली बार मेरी फिल्म आ रही है, एक्साइटेड हूं

अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी आगामी फिल्म थामा को लेकर उत्साहित हैं। यह फिल्म दिवाली के अवसर पर रिलीज होगी। आयुष्मान की यह पहली फिल्म है, जो दिवाली पर आ रही है। इसे लेकर वे बेहद खुश हैं।

मैडॉक फिल्म्स की हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म थामा है। यह दिवाली के अवसर पर 21 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं। आयुष्मान के करियर की यह पहली फिल्म है, जो दिवाली फेस्टिवल पर दस्तक दे रही है। इसे लेकर वे बेहद उत्साहित हैं।

आयुष्मान खुराना फिल्म थामा को लेकर उत्साहित हैं और इसकी एक बड़ी वजह है कि दिवाली पर रिलीज होने वाली उनकी यह पहली फिल्म है। हाल ही में उन्होंने इस फिल्म को लेकर कहा, हम रॉक करने वाले हैं। दरअसल, हाल ही में एक्टर अपनी इस फिल्म को लेकर बात करते दिखे। उन्होंने कहा, मैं थामा के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। दिवाली पर पहली बार मेरी फिल्म रिलीज हो रही है। हम रॉक करने वाले हैं। आयुष्मान के फैंस उन्हें फिल्म के लिए बधाई दे रहे हैं।

मैडॉक के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की पांचवी फिल्म

बता दें कि फिल्म थामा का ट्रेलर एक भव्य इवेंट में रिलीज किया गया था। इस अवसर पर मैडॉक की फिल्म स्त्री की हीरोइन श्रद्धा कपूर भी मौजूद रहीं। फिल्म थामा को दिनेश विजन और अमर कौशिक प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है।

फिल्म में नोरा फतेही करेंगी आइटम नंबर

फिल्म थामा के निर्देशन की कमान आदित्य सरपोतदार ने संभाली है। इसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल भी अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म में नोरा फतेही का डांस नंबर है। गाने का टाइटल दिलबर की आंखों का है। यह गाना आज मंगलवार को रिलीज हुआ है और इसे दर्शकों से पॉजिटिव रेस्पॉन्स मिला है।

मेरा ध्यान सिर्फ़ किरदार और डायरेक्टर की सोच पर होता है

फिल्म जन्नत 2 से धमाकेदार डेब्यू करने के बाद अब ईशा गुप्ता को बॉलीवुड में 13 साल पूरे हो चुके हैं। इन सालों में ईशा ने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है। हाल ही में बातचीत में ईशा ने अपने इस सफर को एक ऐसे रोलरकोस्टर की तरह बताया, जिसमें बहुत सारा सीखना, बढ़ना और नए अनुभव शामिल रहे। अपने काम के प्रति बदले नज़रिए पर ईशा कहती हैं, वक़्त के साथ चीज़ें बदल गई हैं और मेरा नज़रिया भी। पहले मैं स्क्रिप्ट के बारे में सोचती थी, लेकिन अब मेरा ध्यान सिर्फ़ किरदार और डायरेक्टर की सोच पर होता है। एक साधारण कहानी भी सही फ़िल्ममेकर के हाथों में मास्टरपीस बन सकती है। अगर मेरा रोल सिर्फ दो मिनट का हो, तब भी मैं उसे पूरी मेहनत से करती हूं, क्योंकि राइटर ने वो किरदार मेरे लिए लिखा है। गौरतलब है कि फिल्मों में अपने किरदारों के अलावा ईशा मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे को लेकर भी काफी जागरूक हैं। बिना किसी लाग-लपेट के वह कहती हैं, इसमें कोई शक नहीं है कि आज भी हमारे देश में मेंटल थेरेपी को गलत नज़र से देखा जाता है, जबकि हकीकत यह है कि एक स्वस्थ दिमाग ही थेरेपी का चुनाव करता है। हममें से ज़्यादातर लोग थेरेपी के लिए इसलिए जाते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि ये हमारी बेहतरी के लिए है, जबकि जिन्हें इसकी ज़रूरत है, वे कभी जाते ही नहीं। सच खून, तो मुझे आगे बढ़ने में मेरी थेरेपी ने बहुत मदद की है। मैं हमेशा कहती हूं कि अगर आपके पास पैसा है, तो उसे अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर खर्च करो और उसे स्वस्थ रखो, क्योंकि इनके बिना बाकी सब बेकार है। जहां तक ईशा के अगले प्रोजेक्ट की बात है, ईशा जल्द ही धमाल 4 में अजय देवगन के साथ नज़र आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जो ईद 2026 पर बड़े स्तर पर रिलीज़ होगी। इसमें दो राय नहीं है कि जन्नत 2 से लेकर अब तक ईशा ने बतौर अभिनेत्री खुद को बार-बार तराशते हुए एक कलाकार बनने का सफर तय किया है और उनका यह सफर सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि पर्दे के बाहर भी जुनून, लगन और आत्मविकास की प्रेरणादायक कहानी है।

विद्या बालन नहीं थीं द डर्टी पिक्चर के लिए पहली पसंद

साल 2011 में आई विद्या बालन स्टारर फिल्म द डर्टी पिक्चर जबरदस्त हिट साबित हुई थी. लेकिन क्या आपको पता है इस फिल्म के लिए पहली पसंद विद्या बालन नहीं, कोई और एक्ट्रेस थीं. साल 2011 में आई फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी. इसकी कामयाबी ने लीड एक्ट्रेस विद्या बालन को रातोंरात स्टार बना दिया था. लेकिन क्या जानते हैं कि इस फिल्म के लिए विद्या बालन पहली पसंद नहीं थीं. उनसे पहले बॉलीवुड की एक दूसरी अदाकारा को ये फिल्म ऑफर हुई थी. हालांकि उन्होंने ये ऑफर ठुकरा दिया था. इसके बाद ये फिल्म विद्या बालन की झोली में आ गई और उन्होंने अपने बोल्ड किरदार से हर किसी का दिल जीत लिया.

ये एक्ट्रेस थीं द डर्टी पिक्चर की पहली पसंद

हम जिनकी बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं बल्कि कंगना रनौत हैं. द डर्टी पिक्चर पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत को ही ऑफर हुई थी. इस बात का खुलासा खुद एक्ट्रेस ने किया था. एक बातचीत के दौरान कंगना रनौत ने बताया था कि ये रोल पहले उन्हें ऑफर हुआ था लेकिन उन्होंने इसे करने से इनकार कर दिया था. एक्ट्रेस ने कहा था कि, मुझे इस रोल को नहीं करने का कोई पछतावा नहीं है.

फिल्म के बारे में

साल 2011 में आई फिल्म द डर्टी पिक्चर का निर्देशन मिलन लूथरिया ने किया था. इसमें एक्ट्रेस विद्या बालन के साथ इमरान हाशमी, नसीरूद्दीन शाह और तुषार कपूर लीड रोल में नजर आए थे. फिल्म में विद्या बालन ने काफी बोल्ड किरदार निभाया था. फिल्म की कहानी साउथ की बोल्ड अदाकारा 'सिल्क' से प्रेरित थी. कमाई की बात करें तो लगभग 18 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस 117 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया और उस साल की ब्लॉकबस्टर साबित हुई है. इस फिल्म के बाद विद्या बालन को इंडस्ट्री में अलग ही पहचान मिल गई. उन्हें कई फिल्में ऑफर हुईं.

मिर्जापुर में अपने किरदार को लेकर श्वेता त्रिपाठी ने कहा- मेरे पुराने दोस्त की तरह है गोलू

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने हाल ही में बनारस में मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म में श्वेता फिर से अपने लोकप्रिय किरदार गजगमिनी गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। आईएएनएस से दिए इंटरव्यू में श्वेता ने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार निभाना मेरे लिए किसी पुराने दोस्त से मिलने जैसा है। एक ऐसा दोस्त, जो मेरे जीवन के उतार-चढ़ाव और बदलावों का साक्षी रहा है। बनारस की खासियत है कि यहां की हर कहानी और भी ज्यादा जीवंत लगती है। श्वेता के लिए बनारस वापसी एक खास एहसास लेकर आई है। उन्होंने बताया कि इस शहर ने उनके एक्टिंग करियर में कई महत्वपूर्ण पल देखे हैं। उनकी पहली बड़ी फिल्म मसान से लेकर मिर्जापुर सीरीज तक, बनारस उनके सफर का अहम हिस्सा रही है। उन्होंने कहा, अब जब मैं इस शहर में मिर्जापुर की शूटिंग कर रही हूं, तो यह मेरे लिए सफर का पूरा होना जैसा है। अपने किरदार के बारे में श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार बदल चुका है और वह खुद भी बदली हैं, लेकिन उसके अंदर का जोश और आग अब भी वही बनी हुई है। मैं दर्शकों को इस किरदार से मिलवाने के लिए बेहद उत्साहित हूं। बता दें कि मिर्जापुर भारत की सबसे लोकप्रिय क्राइम-थ्रिलर सीरीज में से एक है। इसकी कहानी अखंडानंद कालीन त्रिपाठी नाम के एक अपराधी और व्यवसायी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मिर्जापुर जिले का बेताज बादशाह माना जाता है। पहले सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, विक्रांत मैसी, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, रसिका दुग्गल, हर्षिता गौर और कुलभूषण खरबंदा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे.

'परफेक्ट कपल 2' में नजर आएंगे ईशान खट्टर

ईशान खट्टर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में सीरीज 'परफेक्ट कपल' की अपनी एक को-एक्ट्रेस के साथ फोटो शेयर किया। इस फोटो के शेयर करते हुए, उस पर कैप्शन लिखा, 'सीजन टू?' आगे लिखा, 'परफेक्ट कपल मिल गया।' शो के मेकर्स को भी ईशान खट्टर ने यह पोस्ट टैग की है। ईशान खट्टर अपनी पोस्ट के जरिए मेकर्स को हिंट दे रहे हैं कि सीरीज 'परफेक्ट कपल 2' करना चाहते हैं। यही ख्वाहिश उनकी को-एक्ट्रेस की भी है। बताते चलें कि अमेरिकन सीरीज 'परफेक्ट कपल(2024)' में ईशान का रोल ज्यादा बड़ा नहीं था, फिर भी वह दर्शकों को याद रह गए। इस मर्डर मिस्ट्री सीरीज को सुजैन बियर ने निर्देशित किया था। निकोल किडमैन जैसी हॉलीवुड की नामी एक्ट्रेस के साथ ईशान को एक्टिंग करने का मौका सीरीज 'परफेक्ट कपल' में मिला। ईशान सीरीज में एक शूटर के रोल में थे।

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने शादी से पहले ही खरीदा था ड्रीम हाउस

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा लाइफ से जुड़ी अपडेट्स अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस ने एक वीडियो में बताया कि शादी से पहले ही उन्होंने और जहीर इकबाल ने अपना ड्रीम हाउस खरीद लिया था। अपने नए व्लॉग में सोनाक्षी ने मुंबई स्थित नए घर के बारे में बात की, जिसका रिनोवेशन अभी जारी है। उन्होंने यह बताया कि बहुत जल्द ही वह अपने पति के साथ यहां रहने जाएंगी। सोनाक्षी सिन्हा ने व्लॉग की शुरुआत यह बताकर की कि पिछले 9 महीनों से इंटीरियर डिजाइनर और ठेकेदार घर को संवारने में जुटे हैं। वीडियो में पति-पत्नी मुंबई में स्थित एक विशाल घर के अंदर जाते दिखाई दिए। फिर दोनों ने किचन, लिविंग रूम और बालकनी को दिखाया। वीडियो में सोनाक्षी सिन्हा कहती हैं, ÷तो, असल में शादी के कुछ 10 दिन पहले हमने यहां की पूजा की थी और पायल (इंटीरियर डिजाइनर) को ढूंढा, जिन्होंने उसी बिल्डिंग में लगभग 6 फ्लैट बनाए हैं, इसलिए उन्हें सब कुछ अच्छी तरह से पता है। फिर हमें एक ठेकेदार मिले, जिन्होंने 9 महीनों में फ्लैट बना दिया। इस वीडियो में सोनाक्षी सिन्हा जहीर से पूछती हैं कि उनके सपनों के घर का क्या आइडिया है, तो जहीर ने मजाकिया अंदाज में बताया कि वह हमेशा से चाहते थे कि उनके घर का बेसिन इस तरह हो कि पानी हमेशा बीच में गिरे और उन्हें उसे बंद करने के लिए दोबारा छूना न पड़े। इसके अलावा, वह चाहते थे कि सारा फर्नीचर मजबूत हो ताकि कोई भी उस पर कभी भी नाच सके। सोनाक्षी ने हंसते हुए कहा कि उनका आइडिया एक साफ-सुथरी और सफेद रंग वाली शांत जगह का था। पिछले साल जून में शादी करने से पहले सोनाक्षी और जहीर इकबाल ने सात साल तक एक-दूसरे को डेट किया। शादी एक निजी समारोह में हुई, इसके बाद फिल्म इंडस्ट्री के लोगों के लिए एक भव्य रिसेप्शन दिया गया था। सोनाक्षी और जहीर इकबाल की मुलाकात सलमान खान की एक पार्टी में हुई थी। जहीर ने 2019 में सलमान खान की फिल्म 'नोटबुक' से डेब्यू किया था। उन्होंने सोनाक्षी के साथ 2022 में फिल्म 'डबल एक्सएल' में काम किया था।

ईशा कोप्पिकर की वापसीः रॉकेटशिप का ट्रेलर पेश करता है एक सशक्त मां-बेटी की कहानी, जो आपकी आत्मा को छू जाएगी

ईशा कोप्पिकर की अगली फिल्म, रॉकेटशिप, का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार लॉन्च हो गया है, जो दर्शकों को एक भावनात्मक रूप से भरपूर सिनेमाई अनुभव की पहली झलक देता है। निर्माता हरमन राय सहगल ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को एक भावुक कैप्शन के साथ साझा किया है जो फिल्म के सार को बखूबी दर्शाता है- हर सपने को चाहिए एक सहारा, हर सफर को चाहिए प्यार। व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल की इस प्रस्तुति में ईशा कोप्पिकर एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर वापसी कर रही हैं। जिसमें वे एक ऐसी भूमिका निभा रही हैं जो अपनी बेटी के सपनों को साकार करने में समर्थन करने वाली एक माँ के रूप में उनके अभिनय कौशल को दर्शाता है। ट्रेलर एक ऐसी भावनात्मक कहानी की झलक देता है, जो एक मां की अटूट शक्ति और बेटी के अडिग सपनों के बीच के गहरे रिश्ते को उजागर करता है, और एक ऐसी कहानी के लिए मंच तैयार करती है जो देश भर के परिवारों के साथ जुड़ जाएगी। ईशा कोप्पिकर, जिन्होंने सालों से अपनी खूबसूरती, शालीनता और अभिनय प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर राज किया है, अब रॉकेटशिप में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं जो दर्शकों के दिल को छूने और भावनाओं की गहराइयों में ले जाने का वादा करती है। यह प्रोजेक्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह अनुभवी प्रतिभाओं और उभरते हुए फिल्म निर्माताओं – खासकर सुभाष घई की प्रतिष्ठित व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल अकादमी के छात्रों – के बीच एक सुंदर सहयोग का प्रतीक है। ईशा का इस डिप्लोमा प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने का फ़ैसला इस बात को दर्शाता है कि वह नए टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए कितनी प्रतिबद्ध हैं, और किस तरह वो इन छात्रों की संघर्षपूर्ण यात्रा से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हैं। उन्होंने भी अपने करियर की शुरुआत बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के की थी, और वह इन छात्रों में अपने ही सपनों की झलक देखती हैं। रॉकेटशिप का ट्रेलर सोशल मीडिया पर आते ही खूब चर्चा बटोर रहा है। दर्शक इसके संवेदनशील विषयवस्तु और ईशा की दमदार भूमिका की जमकर सराहना कर रहे हैं। जैसा कि ट्रेलर से पता चलता है, दर्शक भावनात्मक गहराई से भरी एक कहानी की उम्मीद कर सकते हैं, जो त्याग, महत्वाकांक्षा और उस गहरे प्यार के विषयों को उजागर करती है जो एक माता-पिता को अपने बच्चे के सपनों के लिए प्रेरित करता है। ईशा कोप्पिकर की शानदार अदायगी और युवा व नवोदित फिल्म निर्माताओं की रचनात्मक ऊर्जा के साथ, रॉकेटशिप दर्शकों के दिलों में उतरने और एक गहरी छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

साभार एजेंसी